RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

नरक चतुर्दशी

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:112 ता. 23 अक्टूबर 2022,रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

एमपी में हुआ भीषण बस हादसा

यूपी के 15 मजदूरों की मौत: सभी दिवाली मनाने घर जा रहे थे, जेसीबी से बस काटकर निकाले शव

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा के नजदीक नेशनल हाईवे-30 पर शुक्रवार रात भीषण हादसा हो गया। बस और ट्रेलर की टक्कर में यूपी के 15 यात्रियों की मौत हो गई। 40 से ज्यादा यात्री घायल हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी, तब जाकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। हादसा शुक्रवार की रात 11.30 बजे रीवा से 70 किमी दूर सोहागी पहाड़ी पर हुआ। चश्मदीदों के मुताबिक, बस पहाड़ से नीचे उतरते वक्त ट्रेलर से जा टकराई। हादसे के वक्त बस की रफ्तार काफी तेज थी। बस हैदराबाद से गोरखपुर जा रही थी। इसमें 55 से ज्यादा लोग सवार थे। मरने वालों में ज्यादातर लोग उत्तर प्रदेश के बताए जा रहे हैं। सभी मजदूर हैं। ये दीपावली मनाने अपने घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी सागर से प्रयागराज जा रहे प्रत्यक्षदर्शी शिवा शुक्ला ने बताया, मैं रात में सागर जिले से अपनी कार से लौट रहा था। हादसे वाली जगह ही मैंने कार खड़ी की। कार के ठीक बगल से

बस निकली। थोड़ी ही दूर आगे जाने के बाद जोरदार धमाका सुनाई दिया। बहुत तेज आवाज आई। देखते ही देखते बस के अंदर से चीख-पुकार सुनाई देने लगी। मैंने तुरंत अपने एक परिचित को कॉल किया। उन्होंने ही पुलिस को हादसे की सूचना दी। करीब एक घंटे बाद मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे लोगों को निकाला जाने लगा था। पुलिस के पहुंचने के बाद खून से लथपथ लोगों को एक-एक कर बाहर निकाला गया। बस में ड्राइवर की केबिन में बैठे लोगों में कोई हरकत नहीं हो रही थी। चारों तरफ अंधेरा था, ऐसे में यह बता पाना मुश्किल है कि ड्राइवर बस में था या हादसे के बाद भाग निकला। हादसा इतना भीषण था कि 4 से ज्यादा लोग बस के अगले हिस्से में फंस गए। इनके शवों को जेसीबी से काटकर बाहर निकाला गया। रीवा कलेक्टर मनोज पुष्प ने बताया कि बस के अगले हिस्से को ज्यादा नुकसान हुआ। रफ्तार ज्यादा होने से यह ट्रेलर में घुस गया। इससे बस के केबिन और फ्रंट सीट पर बैठे यात्रियों की मौत हुई है।

संक्षिप्त

'जुमला किंग' की इवेंटबाजी है रोजगार मेला : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार के रोजगार मेले को 'जुमला किंग' की इवेंटबाजी करार दिया। विपक्षी दल ने पूछा कि देश के युवाओं को 16 करोड़ नौकरियां देने का वादा कब पूरा किया जाएगा। कांग्रेस के महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आने पर हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, जो पिछले 8 साल में पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' केवल 4 राज्यों से गुजरी है और सरकार को यह स्वीकार करना पड़ा है कि बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्या है। सुरजेवाला ने इसे 'भारत जोड़ो यात्रा' की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा ट्वीट किया, 'अभी तो भारत जोड़ो यात्रा चार राज्यों से ही गुजरी है, आखिर 'जुमला किंग' को राहुल गांधी ने ये मानने को मजबूर कर दिया कि बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्या है।

ड्रेन से मिट्टी निकाल रही पांच बच्चियां पानी में डूबीं, चार की मौत

सुल्तानपुर। घरौंदा बनाने के लिए भैरवपुर के पास ड्रेन से मिट्टी निकाल रहीं पांच बच्चियां पानी में डूब गईं। घटना के वक्त मौजूद एक बच्ची ने भागकर इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना के बाद मौके पर सैकड़ों ग्रामीण पहुंच गए। गोताखोर ड्रेन में बच्चियों की तलाश के लिए उतरे तो उन्हें एक के बाद एक चार शव मिले। पांचवीं बच्ची की तलाश में गोताखोर जुटे हैं। एक साथ चार बच्चियों की मौत से गांव में कोहराम मचा है। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंच गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आप पर बोला हल्ला

यूपी में नहीं जीती एक भी सीट, एचपी में बीजेपी करेगी सुपड़ा साफ

नई दिल्ली। हिमाचल और गुजरात चुनाव को लेकर भाजपा ने आम आदमी पार्टी(आप) पर हमला किया है। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को कहा कि आप उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में खाता नहीं खोल सकी थी। भाजपा आप का हिमाचल प्रदेश में भी खाता खाली कर देंगी। गुजरात में पिछली बार से ज्यादा सीटें जीतेंगे और सरकार बनाएंगे। आप के पास जनाधार नहीं हैं। जिन राज्यों में उन्होंने सरकार बनाई है, उन राज्यों की हालत खराब है। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों की तारीखों का एलान हो चुका है। हिमाचल प्रदेश में एक चरण में 12 नवंबर को चुनाव होंगे। गुजरात चुनावों का एलान नहीं हुआ है। बता दें कि, गुजरात सरकार का कार्यकाल 23 फरवरी 2023 को खत्म हो रहा है। माना जा रहा है कि इस वजह से चुनाव की तारीखों की घोषणा में देरी हो

रही है। पिछले साल 2017 विधानसभा चुनाव में भी चुनाव आयोग ने हिमाचल प्रदेश चुनाव की तारीखों के ऐलान के करीब 13 दिन बाद गुजरात चुनाव की घोषणा की थी। राज्य की विधानसभा की कुल 182 सीटें हैं। पिछले 24 साल से राज्य में भाजपा की सरकार है। गुजरात में पिछली बार दो चरणों में चुनाव हुए थे। 25 अक्टूबर 2017 को चुनाव तारीखों का एलान हुआ। पहले चरण के लिए 14 नवंबर को अधिसूचना जारी हुई थी और दूसरे चरण के लिए 20 नवंबर को। पहले चरण का चुनाव नौ दिसंबर 2017 और दूसरे चरण का चुनाव 14 दिसंबर को नतीजे आए थे। पहले चरण में 89 और दूसरे चरण में 93 सीटों पर वोटिंग हुई थी। यूं तो पिछले 24 साल से गुजरात की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी ही काबिज है।

भारत-पाकिस्तान मैच पर फिरोजाबाद में लाखों रुपये का सट्टा बुक

फिरोजाबाद। टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के सुपर-12 स्टेज में पहला मुकाबला मेजबान ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैड के बीच खेला जाएगा। वहीं भारत-पाकिस्तान के बीच 23 अक्तूबर को टक्कर होगी। ये मुकाबला आम लोगों के लिए जहां दिलचस्प होगा, उतना ही सट्टे के बाजार में भी। फिरोजाबाद के शिकाहाबाद में इस मैच को लेकर सट्टे का खेल शुरू हो गया था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस खेल का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कार्रवाई के दौरान पांच आरोपी मौके से भाग गए। एसपी देहात कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी शिकोहाबाद प्रदीप कुमार ने फोर्स के साथ अमित कुमार को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी अमित कुमार शिकोहाबाद का रहने वाला है।

पेट्रोलियम डिपो में ब्लास्ट, 7 लोग झुलसे

टैंकर में ईंधन भरते समय हादसा, 4 गंभीर

भोपाल। भारत पेट्रोलियम डिपो में शुक्रवार रात ब्लास्ट हो गया। फिलिंग पॉइंट पर टैंकर में ईंधन भरते समय हुए विस्फोट में 7 लोग घायल हो गए। 4 लोगों की हालत गंभीर है। हादसे की वजह अर्थिंग लूज होना बताई जा रही है। भोपाल के बकानिया स्थित पेट्रोलियम डिपो में रात 7.47 बजे हुए ब्लास्ट में 7 लोग बुरी तरह झुलस गए। फिलिंग पॉइंट नंबर 1 पर 12 हजार लीटर के टैंकर में ईंधन भरा जा रहा था। टैंकर के एक पार्ट में अचानक तेज धमाका हुआ। धमाके के साथ ही आग की लपटें उठने लगीं। टैंकर एचपीसीएल का था। हादसे में एक ट्रक भी क्षतिग्रस्त हो गया। धमाका इतना तेज था कि एयर फैन भी उड़ गया। मौके पर खड़े टैंकर के

ड्राइवर और कंडक्टर झुलस गए। एक कर्मचारी भी घायल हो गया। बीपीसीएल प्रबंधन तुरंत एक्टिव हो गया। 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। सभी को चिरायु अस्पताल ले जाया गया। गंभीर घायलों को आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। पुलिस ने फिलिंग पॉइंट को सील कर दिया है। कलेक्टर अविनाश लवानिया भी घायलों को देखने के लिए अस्पताल पहुंचे। कलेक्टर का कहना है कि घटना

की विस्तृत जांच की जाएगी। इसके बाद ही सही कारणों का पता चल पाएगा। डिपो में सुरक्षा इंतजामों में लापरवाही भी सामने आई है। हादसे के बाद झुलसे लोगों को ले जाने के लिए कोई वाहन उपलब्ध नहीं था। आनन-फानन में गांव से ग्रामीण वाहन लेकर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से झुलसे कर्मचारियों को चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अरुणाचल प्रदेश में हेलिकॉप्टर क्रैश

पांचों शव बरामद, भेजी गई थी तकनीकी खराबी की सूचना

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में सेना के हेलिकॉप्टर क्रैश में 5 जवानों की मौत हो गई है। अब तक 4 शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाके मिगिंग में दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलीकॉप्टर में सवार 5वें सैन्यकर्मी का शव बरामद कर लिया गया है। इसके साथ ही तलाशी अभियान समाप्त हो गया है। एएलएच 2 पायलट समेत 5 सैन्यकर्मियों को लेकर शुक्रवार सुबह को नियमित उड़ान पर था, तभी वह करीब 10 बजकर 43 मिनट पर तुतिंग कस्बे से लगभग 25 किलोमीटर दूर मिगिंग गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल ए. एस. वालिया ने बताया कि चीन से लगी सीमा से लगभग 35 किलोमीटर दूर घने जंगल वाले पर्वतीय इलाके में मौजूद दुर्घटनास्थल से शुक्रवार शाम सेना के चार जवानों के शव बरामद किए गए थे। अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चला है और विस्तृत जानकारी हासिल की जा रही है। इस दुखद घटना की जांच शुरू हो गई है। खबर है कि हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल यानी ATC को

कॉल आया था, जिसमें तकनीकी खराबी की सूचना दी गई थी। 21 दिनों में यह तीसरा मौका है, जब कोई सैन्य उड़ान हादसे का शिकार हुई है। शुक्रवार को भारतीय सेना का एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर (ALH) मिगिंग इलाके में क्रैश हो गया था। हादसे के तुरंत बाद ही भारतीय थल सेना और वायुसेना के दलों ने तलाशी अभियान और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। हालांकि, घने जंगल और खड़ी पहाड़ों के चलते काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। खबरें थी कि घटनास्थल तक पहुंचने के लिए कोई सड़क मार्ग भी नहीं था। घटना के वक्त हेलिकॉप्टर में पांच जवान सवार थे। इनमें से 4 के पार्थिव शरीर बरामद कर लिए गए हैं। वहीं, 5वें पार्थिव शरीर को खोजने का काम जारी है। बताया जा रहा है कि उस दौरान मौसम उड़ान के लिहाज से बेहतर था। साथ ही पायलट्स को मिलाकर 600 घंटे की AHL उड़ान का अनुभव था। भाषा के अनुसार, सेना के हेलिकॉप्टर को एचएएल रुद्र के नाम से भी जाना जाता है, जिसने निचले सियांग जिले के लिकाबाली से उड़ान भरी थी। एचएएल रुद्र भारतीय सेना के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा निर्मित एक अटैक हेलिकॉप्टर है। तेजपुर स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एएस वालिया ने कहा, 'हेलिकॉप्टर में पांच सैन्यकर्मी सवार थे, जिनमें से चार के शव बरामद किए गए हैं। एक अन्य सैन्यकर्मी की तलाश जारी है।'

तीन महीनों में 83 लोगों ने धोखाधड़ी से करा लिया पौने तीन करोड़ का लोन कोर्ट के आदेश के बाद मामला दर्ज

कौशांबी। बैंक से 83 लोगों द्वारा फर्जी अभिलेख लगाकर दो करोड़ 78 लाख रुपये लोन लेने का मामला सामने आया है। ये लोन बैंक ऑफ बडौदा से मिनी डेयरी योजना के लिए लिया गया था। जांच में फजीर्वाड़े का खुलासा होने के बाद असिस्टेंट जनरल मैनेजर ने मामला दर्ज कराया है। बैंक ऑफ बडौदा के मंझनपुर शाखा में 26 सितंबर 2019 से 26 दिसंबर साल 2019 तक 83 लोगों ने मिनी डेयरी के लिए कुल दो करोड़ 78 लाख 58 हजार रुपये लोन लिया था। लोगों को एक लाख से 6.5 लाख तर का ऋण दिया गया था। बैंक से कर्ज लेने आरोपियों ने जानवरों की फर्जी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, खरीदने का रवन्ना और इंश्योरेंस टैग दिया था। इसके बाद बैं कने इंश्योरेंस की प्रीमियम सीधे कंपनी के खाते में भेज दिया। जब बैंक ने इस निरीक्षण किया तो पता चला न तो डेयरी खोली गई है और न ही जानवर खरीदे गए हैं। वहीं दिए गए अभिलेख भी फर्जी हैं। बैंक अधिकारियों के मुताबिक मेसर्स दिनेश डेयरी एंड आइस प्लांट के प्रोपराइटर राजेश साहू निवासी समदा ने प्रचार- प्रसार करके लोगों को फर्जी दस्तावेजों के सहारे लोन दिलाया था।

मायावती की अपील, बड़े आयोजन करने की जगह छोटी-छोटी बैठक करें कार्यकर्ता

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रदेश में होने वाले निकाय चुनाव को लेकर पदाधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें जिम्मेदारी देते हुए पूरी क्षमता के साथ चुनाव की तैयारियो में जुटने की अपील की। मायावती ने कहा कि पदाधिकारी बड़े व खचीर्ले आयोजन करने की जगह छोटी-छोटी कैडर बैठकों का आयोजन करें। उन्होंने कहा कि बसपा कार्यकताओं को धन्नासेठों की समर्थक पार्टियों की तरह शाहखर्ची नहीं करनी है क्योंकि यह बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रही जनता के साथ मजाक करने जैसा है। मायावती ने कहा कि राष्ट्रीय

स्वयं सेवक संघ जीजान से चुनाव में भाजपा की मदद करता है लेकिन भाजपा सरकार की गलत व जनविरोधी नीतियों का कभी भी खुलकर विरोध नहीं करता। अब आरएसएस देश में फैली प्रचंड महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, हिंसा, तनाव और तमाम अव्यवस्थाओं से देश का ध्यान बंटाने के लिए जनसंख्या नियंत्रण नीति और धर्मांतरण का राग अलाप रहा है। निकाय चुनाव को लोकसभा चुनाव 2024 का सेमीफाइनल माना जा रहा है। ऐसे में बसपा इसमें अपने भविष्य की संभावनाओं को देख रही है। मायावती कह भी चुकी हैं कि निकाय चुनाव का परिणाम भविष्य के द्वार खोल सकता है। ऐसे में इस बैठक का उद्देश्य इन्हीं संभावनाओं के लिए है। बसपा का ध्यान इस बार मुस्लिम मतदाताओं पर है। पार्टी दलित-मुस्लिम समीकरण साधने के लिए इस निकाय चुनाव में पूरी ताकत लगाएगी। चूंकि विधानसभा चुनाव में तमाम कोशिशों के बावजूद सपा की नैया पार नहीं हो सकी।

अयोध्या में आकार लेती दिख रही त्रेतायुग जैसी कल्पना, राम के स्वागत में खड़े होंगे पीएम मोदी

अयोध्या। त्रेतायुग जैसी अयोध्या की कल्पना रामनगरी में आकार लेती दिख रही है। अवसर है अयोध्या में आयोजित होने जा रहे दीपोत्सव का। ऐसा हो भी क्यों न....जब खुद पीएम नरेंद्र मोदी लंका पर विजय प्राप्त कर लौटे राम के स्वागत में खड़े होंगे और गुरू वशिष्ठ की भूमिका में राज्याभिषेक के लिए तिलक लगाने को आतुर होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी तीन घंटे अयोध्या में रहकर दीपोत्सव में शामिल होंगे। प्रभु राम के आगमन की खुशी में अयोध्या 15 लाख दीपक जलाकर रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में है। रामचरित मानस में भगवान राम के अयोध्या आगमन को बयां

करने वाली यह पंक्तिया...अवधपुरी प्रभु आवत जानी, भई सकल सोभा कै खानी, बहइ सुहावन त्रिबिध समीरा, भइ सरजू अति निर्मल नीरा.....पूरी तरह से चरितार्थ हो रही है। दीपोत्सव को लेकर अयोध्या को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। सफाई व्यवस्था के लिए 1000 कर्मचारी दिन-रात लगे हैं। सड़कों को चमकाया जा रहा है। रंग बिरंगी झालरों से पूरा शहर जगमगाने को तैयार है। वहीं विशेष एलईडी लाइटों से शहर की मुख्य इमारत जैसे साकेत महाविद्यालय, राजसदन, तुलसी उद्यान पार्क, राम की पैड़ी, राम कथा पार्क आदि चमक रहे है। एल शेप में रामायण प्रसंगों पर आधारित द्वार सरयू घाट की शोभा बढ़ा रहे हैं। नयाघाट से लेकर गोंडा की सीमा तक सरयू पुल को प्रकाशमय बनाया जा रहा है। राम की पैड़ी परिसर के मंदिरों को एक रंग में रंगा गया है। दीपोत्सव पर अयोध्या कड़ी सुरक्षा में रहेगी, वीवीआईपी मूवमेंट के चलते श्रद्धालुओं को असुविधा नहीं हो इसके लिए प्लान बन रहा है। चप्पे-चप्पे पर सादी वर्दी व खुफिया पुलिस के जवान तैनात होंगे।

सार समाचार

भगवान बांके बिहारी ने चुकाया 3.50 करोड़ रुपयों का आयकर

मथुरा करोड़ों लोगों के आराध्य भगवान बांके बिहारी भी आयकर दाता हैं। उन्होंने 3.50 करोड़ रुपए आयकर जमा किया है। भगवान के बैंक खाते में 248 करोड़ रुपए जमा है। बांके बिहारी मंदिर के नाम से आयकर रिटर्न दाखिल की जाती है। दान की राशि का 85 फ़ीसदी पैसा सार्वजनिक कार्यों पर खर्च नहीं होता है, तो इस पर इनकम टैक्स देना पड़ता है। वर्ष 2021 -22 में 20 करोड रुपए की आय बांके बिहारी मंदिर को हुई थी। मंदिर को आयकर की धारा 12 ए के तहत छूट भी मिलती है। इसकी शर्त है कि पचासी फ़ीसदी पैसा धर्माथ, सेवार्थ कामों में खर्च करना होता है। ट्रस्ट ने कम राशि खर्च की। जिसके कारण उसे आयकर देना पड़ा।

सरकार टैक्स लेती तो काम भी कराए

उत्तर प्रदेश सरकार वृंदावन में बांके बिहारी धाम के नाम पर एक गलियारा बनाने की तैयारी कर रहा है। शासन की नजर कमेटी में जमा राशि पर है। सरकार चाहती है कि इसका उपयोग कर गलियारा बनाया जाए। वहीं मंदिर के सेवायत ट्रस्ट का कहना है कि जब सरकार बांके बिहारी मंदिर से टैक्स वसूलती है, तो गलियारा उसे अपने खर्चे से बनाना चाहिए। सरकार बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट में जमा रकम को लेने के लिए योजना बनाकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाने पहुंच गई है। जिसकी हिंदुओं में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। भगवान बांके बिहारी के भक्तों का कहना है, कि जब सरकार अपनी योजना ला रही है। तो पैसा भी अपना खर्च करे।

उच्च न्यायालय ने राजधानी में अवैध निर्माण पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अधिकारियों की कथित मिलीभगत से राज्य की राजधानी में हुए अवैध निर्माण पर शुक्रवार को गंभीर चिंता व्यक्त की। पीठ ने एलडीए को ऐसे अधिकारियों की सूची पेश करने का निर्देश दिया जो तब चुप रहे जब अवैध निर्माण हो रहा था तथा इससे अपनी आंखें मूंद लीं। पीठ ने एलडीए को निर्देश दिया कि वह दोषी अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के संबंध में रिपोर्ट उसके सामने रखें। मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की पीठ ने लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक कुमार (सेवानिवृत्त) की ओर से 10 साल पहले दायर जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया। जनहित याचिका ने शहर में अवैध निर्माण का मुद्दा उठाया गया था और इसके लिए एलडीए अधिकारियों को भी जिम्मेदार ठहराया था। जनहित याचिका में यह भी कहा गया है कि कदाचार करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कभी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है और इसलिए अधिकारी बिना डर के बिल्डरों के साथ कथित रूप से सांठगांठ करते रहते हैं। 2012 में, जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान, एलडीए ने पीठ को अवगत कराया था कि अपने क्षेत्र में अवैध निर्माण रोकने में नाकाम रहे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पीठ ने शुक्रवार को पाया कि एलडीए ने कार्रवाई की रिपोर्ट आज तक उसके सामने नहीं रखी। अपने आदेश में पीठ ने कहा, एलडीए के अधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वे इस बात की निगरानी करें कि निर्माण योजना को मंजूरी मिलने के बाद ही शुरू हो ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्माण स्वीकृत योजना के अनुसार किया जा रहा है। यह सुनिश्चित करें कि बिना अनुमति के कोई भी अवैध निर्माण नहीं किया जाए। पीठ ने मामले की सुनवाई की अगली तारीख नौ नवंबर तय की है।

दोस्त के साथ एयरपोर्ट घूमने गई सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ हैवानियत, 10 लोगों ने किया गैंगरेप

चाईबासा । झारखंड के चाईबासा में भाई के दोस्त के साथ पुराना चाईबासा एयरपोर्ट घूमने गई सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवती (26 वर्ष) से दस युवकों ने गैंगरेप किया। घटना गुरुवार देर शाम की है। नाजुक हालत में युवती का इलाज चाईबासा सदर अस्पताल में किया जा रहा है। बदमाशों ने युवती और उसके भाई के दोस्त के साथ लूटपाट भी की और दोनों को बुरी तरह घायल कर दिया।
इधर, वारदात के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। इस मामले में युवती के बयान पर मुफस्सिल थाने में 10 अज्ञात युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। युवती ने बताया कि वह एक प्रतिष्ठित कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और फिलहाल घर पर रहकर काम कर रही है। गुरुवार देर शाम भाई के दोस्त के साथ घूमने गई थी तभी उसके साथ ये घटना हुई। गुरुवार शाम भाई के दोस्त के साथ स्कूटी से पुराना चाईबासा एयरपोर्ट घूमने गयी थी। इस दौरान नौ-दस युवक आ धमके और उनलोगों से पूछा कि यहां क्या कर रहे हो? इसके बाद उक्त लड़कों ने स्थानीय भाषा में आपस में कहा कि आज दोनों को यहां से जाने नहीं देना है। यह कह युवकों ने उनपर हमला कर दिया और मारपीट कर मोबाइल, एटीएम, पर्स, कैश आदि लूट लिये। भाई के दोस्त के साथ पुराना चाईबासा एयरपोर्ट घूमने गयी सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवती को उसके भाई के दोस्त के सामने युवक खींच कर कुछ दूरी पर सुनसान जगह ले गए और उसके साथ बारी-बारी से गैंगरेप किया। युवती मदद को चिल्लाती रही, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। वारदात के बाद सभी युवक वहां से फरार हो गए। किसी तरह वह स्कूटी चला एयरपोर्ट के पास स्थित किराना दुकान पर पहुंची। यहां दुकानदार से फोन लेकर फोन किया। मारपीट के दौरान पीड़िता का साथी किसी तरह जान बचाकर मौके से भाग निकला और मुफस्सिल थाना पहुंच घटना की जानकारी दी। रात लगभग 8.45 बजे वह पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंचा, जिसके बाद पीड़िता को लेकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुफस्सिल के थाना प्रभारी पवन चंद्र पाठक ने कहा कि,घटना की छानबीन की जा रही है। दस अज्ञात युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता की सदर अस्पताल में मेडिकल जांच कराने के साथ शुक्रवार को न्यायालय में 164 का बयान कलमबंद कराया गया है।

भाजपा की विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए धर्मांतरण और जनसंख्या नीति का 'बेसुरा राग' अलाप रहा आरएसएस: मायावती

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्?वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की विफलता से ध्यान हटाने के लिए आरएसएस धर्मांतरण और जनसंख्या नीति का 'बेसुरा राग अलाप रहा है।' लखनऊ स्थित बसपा राज्य मुख्यालय में स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर शनिवार को प्रदेश स्तरीय वरिष्ठ पदाधिकारियों के एक दिवसीय सम्?मेलन को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि भाजपा को सत्ता सौंपकर अच्छे दिन पाने का अनुभव अभी तक थोड़ा भी सही और सार्थक नहीं होने से जनता इनसे (भाजपा) काफी दुखी है। उन्होंने कहा कि इसीलिए देश में प्रचंड महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, हिंसा, तनाव व अव्यवस्था के अभिशाप के जंजाल से पीड़ित जनता का ध्यान बंटाने के लिए ही आरएसएस द्वारा अब जनसंख्या नीति व धर्मांतरण का आदि का बेसुरा राग अलापा जा रहा है जो घोर अनुचित है। बसपा प्रमुख ने दावा किया कि यह भाजपा सरकार की विफलता पर से ध्यान बंटाने की सोची समझी रणनीति है, जिससे सावधानी जरूरी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तव में आरएसएस का यह अभियान आगामी लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा व इनकी सरकार के पक्ष व समर्थन में एक सोची समझी रणनीति के तहत ही किया जा रहा है, जिससे लोगों को सजग व सावधान करते रहना बहुत ही जरूरी है। मायावती ने कहा कि यह विडंबना ही है कि आरएसएस, भाजपा को हर चुनावों में आंख बंद करके पूरे जी जान से मदद करता है, किंतु भाजपा सरकार की गलत व जनविरोधी नीतियों का कभी भी खुलकर विरोध नहीं करता है। गौरतलब है कि प्रयागराज में बुधवार को आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा था कि धर्मांतरण और बांग्लादेश से घुसपैठ की वजह से देश में जनसंख्या असंतुलन पैदा हो रहा है। उन्होंने धर्मांतरण रोधी कानूनों को सख्ती से लागू करने का आह्वान किया।

उत्तराखंड में भूस्खलन की चपेट में तीन मकान, चार लोगों की मौत एक घायल

चमोली। उत्तराखंड में चमोली जिले के थराली क्षेत्र में तीन मकानों के भूस्खलन की चपेट में आने से दो महिलाओं सहित एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गयी जबकि एक अन्य घायल हो गया। थराली के उपजिलाधिकारी रविंद्र सिंह जुआंटा ने बताया कि थराली की पिंडर घाटी में बसे पैनगढ़ गांव? में हादसा शुक्रवार आधी रात के बाद करीब डेढ़ बजे हुआ। उन्होंने बताया कि पहाड़ों में हुए भूस्खलन की वजह से भारी बोल्डर (चट्टाने) गांव के तीन मकानों पर आ गिरे। उन्होंने बताया कि बोल्डर से मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए और उनमें से एक मकान में रहने वाले परिवार के पांच सदस्य मलबे में दब गए। जुआंटा ने बताया कि सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गया था। उन्होंने कहा किराज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा स्थानीय बचाव दलों ने मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

राहुल ने रायचूर के येरागेरा गांव से फिर शुरू की 'भारत जोड़ो यात्रा', अब तक पूरी की हुई 1,215 किमी पद यात्रा

बेंगलुरू (एजेंसी)।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को कर्नाटक के रायचूर के येरागेरा गांव से 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू की। कांग्रेस ने ट्वीट किया कि 1963 में आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भाखड़ा नंगल बांध राष्ट्र को समर्पित किया था। भारत के औद्योगिक कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अग्रणी विकास परियोजना, यह इंजीनियरिंग चमत्कार नेहरू जी द्वारा शुरू किए गए 'आधुनिक भारत के मंदिरों' में से एक था।

7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई यात्रा अपने 3570 किमी लंबे मार्च में 2355 किमी की और दूरी तय करेगी। पार्टी ने यह भी कहा इस दिन 2008 में, भारत ने तत्कालीन पीएम डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व में अपना पहला मून मिशन, चंद्रयान-1 लॉन्च किया था, जिसकी लॉन्चिंग भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर का पहला कदम था। भारत जोड़ो यात्रा का आंध्र प्रदेश चरण 21 अक्टूबर को संपन्न हुआ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोगों को उनके भारी समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और राज्य के लोगों के लिए उनके द्वारा किए गए वादों को पूरा करने का वादा किया।

आंध्र प्रदेश के लोगों को लिखे एक पत्र में वायनाड के सांसद ने कहा कि आज सुबह, जब भारत जोड़ो यात्रा आंध्र प्रदेश के माध्यम से अपनी यात्रा पूरी कर रही है, हम लोगों को उनके भारी समर्थन और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देते हैं। यह वास्तव में एक यादगार अनुभव रहा है। उन्होंने कहा आंध्र प्रदेश में यात्रा के दौरान विभिन्न समूहों के साथ बातचीत से लोगों को प्रभावित करने वाले कई महत्वपूर्ण मुद्दे सामने आए हैं। कांग्रेस पार्टी आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने और अमरावती में एक ही राजधानी विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम भारतीय लोगों की संपत्ति के रूप में विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र की निरंतर सार्वजनिक क्षेत्र की स्थिति का समर्थन करते हैं।

पता नहीं शिवराज पाटिल ने कौन सी भगवद् गीता पढ़ी है, विहिप नेता परांडे का बयान

नागपुर (महाराष्ट्र)। (एजेंसी)।

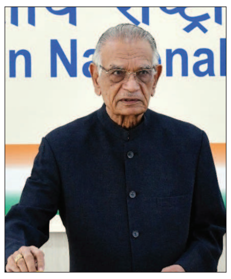

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक शीर्ष पदाधिकारी ने शुक्रवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिवराज पाटिल के इस दावे को लेकर उनकी आलोचना की कि भगवद् गीता में भी जिहाद की बात कही गई है। विहिप महासचिव मिलिंद परांडे ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में पूर्व केंद्रीय मंत्री पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी सस्ते प्रचार और समाज में भ्रम पैदा करने के लिए की गई।

विहिप नेता ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि उन्होंने (पाटिल) कौन-सी गीता पढ़ी है। गीता में जिहाद का कोई जिक्र नहीं है।'' पाटिल ने बृहस्पतिवार को दावा किया था कि जिहाद (पवित्र युद्ध) की अवधारणा सिर्फ इस्लाम में ही नहीं, बल्कि भगवद् गीता और ईसाई धर्म में भी है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई की आत्मकथा के विमोचन पर पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पाटिल ने कहा था कि इस्लाम धर्म में जिहाद का बहुत जिक्र है। पाटिल ने अपनी टिप्पणियों में दावा किया था, ''सिर्फ कुरान में ही नहीं, महाभारत में भी...गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन से जिहाद की बात करते हैं और यह बात सिर्फ कुरान या गीता में ही नहीं, बल्कि ईसाई धर्म में भी है।'' पाटिल की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर विहिप नेता परांडे ने कहा कि वह (पाटिल) गैर-जिम्मेदार हैं और उनका उद्देश्य सस्ता प्रचार हासिल करना और समाज में भ्रम पैदा करना है।

एक साल में निर्यात में 31 फीसदी वृद्धि दर्ज की, अब भारत याचक से दाता के रूप में सामने आया: नड्डा

गुरुग्राम (एजेंसी)।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुग्राम में रोजगार मेला कार्यक्रम में शामिल हुए और लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र बांटे। हम सब भाग्यशाली हैं कि अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं और हम विकसित भारत का हिस्सा बन गए हैं, उस विकसित भारत का हिस्सा जहां आज पारदर्शी तरीके से 10 लाख नौकरियों का मेला आयोजित किया जा रहा है, इसका हमें सदुपयोग करना चाहिए। देश एक नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी का जो विजन है, जब हम आजादी के 100 साल मनाएंगे, तो भारत एक विकसित भारत होना चाहिए, इसके लिए हमें सर्वांगीण विकास करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा हरियाणा के गुरुग्राम में रोजगार मेला समारोह में भाग लिया। 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के लिए पीएम मोदी का विजन है। आयातक होने से, भारत रक्षा उत्पादों का निर्यातक बन गया है और दुनिया में डिजिटल लेनदेन में इसका योगदान 40 फीसदी है। यह पीएम मोदी की दूरदर्शिता का परिणाम है। रोजगार मेला कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है ये 10वें नंबर से 5वें नंबर तक आ गई है। यह कोई छोटी बात नहीं है। हमने 1 साल में निर्यात में 31 फीसदी वृद्धि की है। आज भारत लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला हो गया है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रोजगार मेला कार्यक्रम में हिस्सा लिया और लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिन अंग्रेजों ने हमारे ऊपर 200 साल राज किया, हमने उन अंग्रेजों को कोविड के समय में दुनिया की 5वीं नंबर की अर्थव्यवस्था से हटाकर भारत को 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बनाने का काम किया है। यह बदलते भारत की तस्वीर है।

पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई जारी रखने की जरूरत: भारत

नयी दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को कहा दुनिया को इस बात को लेकर स्पष्ट रहना चाहिए कि पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ 'विश्वसनीय, सत्यापन योग्य और अपरिवर्तनीय' कार्रवाई जारी रखनी होगी। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) द्वारा पाकिस्तान को उसकी ग्रे (संदिग्ध) सूची से बाहर

किए जाने के मद्देनजर यह टिप्पणी की। पेरिस स्थित एफएटीएफ आतंकवादी वित्त पोषण और धन शोधन पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था है। उसकी ग्रे सूची में बढ़ी हुई निगरानी के अधीन देश शामिल होते हैं। विदेश मंत्रालाय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, ''यह वैश्विक हित में है कि दुनिया इस बात को लेकर स्पष्ट रहे कि पाकिस्तान को अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों से होने वाली आतंकवादी गतिविधियों और आतंकवादी वित्तपोषण के खिलाफ विश्वसनीय, सत्यापन योग्य, अपरिवर्तनीय और निरंतर कार्रवाई जारी रखनी होगी।'' उन्होंने कहा, ''एफएटीएफ की निगरानी के परिणामस्वरूप पाकिस्तान 26/11 को मुंबई में पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के खिलाफ हुए हमलों में संलिप्त गुनहगारों समेत कई कुख्यात आतंकवादियों के खिलाफ कुछ कार्रवाई करने के लिए मजबूर हुआ है।

दिल्ली में चलेगी रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ कैंपेन, 28 अक्टूबर से कैंपेंन की शुरुआत

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली सरकार वाहनों से प्रदूषण को कम करने के लिए 28 अक्टूबर से रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान चलाएगी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस अभियान को सबसे पहले 16 अक्टूबर 2020 को वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए शुरू किया गया था। इसके तहत वाहन चालकों को ट्रैफिक लाइट पर इंतजार करने के दौरान वाहन को बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राय ने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हवा की दिशा में बदलाव होता है तो दिवाली के बाद दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सतर्क है। हम वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के सभी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सर्दियों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 15 सूत्रीय कार्ययोजना की शुक्रवार को समीक्षा की। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि धूल और कचरा जलने के साथ-साथ वाहनों से होने वाले उत्सर्जन की हिस्सेदारी दिल्ली में स्थानीय स्तर पर होने वाले प्रदूषण में सबसे अधिक है। राय ने कहा कि इसलिए दिल्ली सरकार ने 28 अक्टूबर से एक महीने के लिए 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि 100 अहम चौराहों पर अभियान के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए 2,500 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को तैनात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ट्रैफिक लाइट पर 10 स्वयंसयेवक दो पालियों में तैनात किए जाएंगे। राय के मुताबिक मुख्य जोर 10 बड़े चौराहों पर होगा जहां पर 20 स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी।

पश्चिम बंगाल और झारखंड में योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक नहीं पहुंच रहा

कोलकाता/रांची। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार की ओर से किए गए एक अध्ययन के मुताबिक झारखंड और पश्चिम बंगाल में आधी से ज्यादा महिलाओं की शादी 21 साल की उम्र से पहले हो जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसका मूल कारण यह है कि युवतियों के लिए स्थायी नौकरी के अवसर भी सीमित हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि निष्कर्षों से यह भी स्पष्ट है कि सरकारी योजनाओं का लाभ आबादी के वांछित वर्ग तक नहीं पहुंच रहा है।

हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन आंकड़ों की प्रामाणिकता को लेकर संदेह व्यक्त किया है क्योंकि यह सर्वेक्षण कोविड-19 महामारी के दौरान किया गया था। इस अध्ययन की रिपोर्ट पिछले महीने प्रकाशित हुई थी। अध्ययन के मुताबिक, झारखंड और पश्चिम बंगाल देश के दो ऐसे राज्य हैं जहां आधी से ज्यादा महिलाओं की शादी 21 साल की उम्र से पहले कर दी जाती है। पश्चिम बंगाल में जहां 54.9 फीसदी लड़कियों की शादी 21 साल की उम्र से पहले हो जाती है, वहीं झारखंड में यह आंकड़ा 54.6 फीसदी है, जबकि राष्ट्रीय औसत 29.5 फीसदी है।

झारखंड में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाने वालीं दीपिका पांडे सिंह ने न्यूज एजेंसी-से कहा कि महिलाओं को, खासकर ग्रामीण इलाकों में, बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें स्थायी रोजगार नहीं मिलता है। और फिर उनके माता-पिता के पास एक ही विकल्प बचता है - उनकी शादी कर देना। उन्होंने कहा कि झारखंड में समाज के सभी वर्गों- आदिवासी, हिंदू, अल्पसंख्यक, शिक्षित, अशिक्षित, अमीर या गरीब में कम उम्र में विवाह प्रचलित है जिनमें जागरूकता पैदा करने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है।

कोलकाता के प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र की प्रोफेसर सुकन्या सर्बाधिकारी ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में किसी युवती के लिए स्थायी नौकरी के सीमित अवसरों के कारण, वह और उसके माता-पिता उसकी शादी करने के विकल्प की तलाश कर रहे होते हैं क्योंकि वे उसके आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए लंबी अवधि तक इंतजार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि चूंकि पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्से झारखंड से सटे हैं, इसलिए इस मुद्दे पर उन क्षेत्रों में भी स्थिति समान हो सकती है। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर और डीन आलोक के. गुप्ता ने कहा, यह इन राज्यों में एकतरफा विकास के बारे में बहुत कुछ बताता है। इससे पता चलता है कि आबादी का कुछ हिस्सा है, जो अभी भी राज्य और केंद्र सरकार की नीतियों के लाभों से दूर है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण और क्रियान्वयन के विभिन्न स्तरों पर संस्थागत विफलताएं स्पष्ट हैं।

किसानों के साथ धोखा कर रही है सरकार, एमएसपी वृद्धि मुद्रास्फीति की दर से कम: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस ने शनिवार को मोदी सरकार पर किसानों को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि उसके द्वारा घोषित रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मुद्रास्फीति की दर से भी कम है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार एमएसपी के लिए पीठ थपथपा रही है, लेकिन उसने वास्तव में किसानों को ठगा है और दावा किया है कि उनकी मेहनत दिवाली की रोशनी में गुम हो गई है। उन्होंने ट्वीट किया, '' मोदी सरकार ने एक बार फिर एमएसपी को लेकर किसानों से धोखा किया है।

दीपावली की चहल पहल और रोशनी में अन्नदाता किसान के कठिन परिश्रम का एमएसपी फिर खो गया। रबी फसलों की एमएसपी की घोषणा कर मोदी सरकार ने अपनी पीठ थपथपा ली पर किसान को ठग कर फिर खून के आँसू बहाने के लिये छोड़ दिया। न मीडिया के मित्रों का ध्यान, न विशेषज्ञों का।'' उन्होंने कहा, ''कड़वा सच यह भी है कि मोदी सरकार केवल एमएसपी की घोषणा करती हैज़.एमएसपी पर ख़रीद नहीं करती।'' उन्होंने मांग की है कि एमएसपी को कानूनी दर्जा देने वाला एमएसपी कानून तत्काल लाया जाना जरूरी है।'' उन्होंने अन्नदाता के साथ विश्वासघात का आरोप लगाते हुए दावा किया, ''भाजपाई शकुनी चौसर ने किसान का जीना दूभर कर दिया।न लागत+50प्र, न उचित दाम, न पर्याप्त खरीदी। न एमएसपी के कानून को दे रहे अंजाम। मोदी जी ने 2014 में वादा किया कि किसानों को लागत+50प्र. देंगे। लागत+50प्र. तो दूर, घोषित किया एमएसपी तो खुद भाजपा सरकारों द्वारा मांगे गए एमएसपी से भी कम है। रबी की एमएसपी की खुली ढोल की पोल।'' राज्यसभा सांसद सुरजेवाला ने कहा कि नेता बयानबाजी कर सकते हैं, लेकिन आंकड़े झूठ नहीं बोलते। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस-संप्रग सरकार ने एमएसपी में 205 प्रतिशत की वृद्धि की, जबकि मोदी सरकार के पिछले आठ वर्षों में एमएसपी में केवल 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।'' उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार द्वारा घोषित एमएसपी देश की महंगाई दर से भी कम है।

महंगाई ज्यादा बढ़ी और एमएसपी कम।'' उन्होंने कहा, ''हे देशवासियों और मीडिया के मित्रों, ज़रा दिवाली पर दो मिनट देश के 70 करोड़ किसान-खेत मज़दूरों के बारे भी सोचिये और बोलिये...उस मेहनतकश किसान-मज़दूर के बारे में जिसकी वजह से आपका चूल्हा जलता है चाहे वो खुद को ही क्यों न मिटा दे। सबको दीपावली की शुभकामनाएँ। जय किसान!'' केंद्र सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत मेंकिसानों के उत्पादन और आय को बढ़ावा देने के लिए गेहूं की फसल के लिए 110 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि के साथ छह रबी फसलों के एमएसपी में 9 प्रतिशत तक की वृद्धि की थी। गेहूं के एमएसपी को 2,015 रुपये प्रति क्विंटल से 5.45 प्रतिशत बढ़ाकर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

भारतीय मूल के उद्यमी स्वदेश चटर्जी ऑर्डर ऑफ द लॉन्ग लीफ पाइन से सम्मानित

वाशिंगटन। प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता स्वदेश चटर्जी को अमेरिकी राज्य नार्थ कैरोलिना के शीर्ष सम्मान से सम्मानित किया गया है। स्वदेश चटर्जी को पिछले 3 दशकों के दौरान अमेरिका और भारत के संबंधों को सुदृढ़ करने में उनके योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया है। नॉर्थ कैरोलिना के गवर्नर रे कूपर ने कैरी शहर में एक समारोह में 75 वर्षीय चटर्जी को ऑर्डर ऑफ द लॉन्ग लीफ पाइन सम्मान से सम्मानित किया। कूपर ने न केवल उत्तरी कैरोलिना के विकास में बल्कि भारत-अमेरिका संबंधों और अमेरिका के सांस्कृतिक परिवेश को समृद्ध करने में उनके योगदान की सराहना की। भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिचर्ड वर्मा ने कहा कि 2001 में भारत सरकार से पद्म भूषण सम्मान प्राप्त करने वाले चटर्जी उन महत्वपूर्ण क्षणों के केंद्र में रहे हैं, जिन्होंने भारत और अमेरिका की सरकार के रिश्तों को मजबूत किया है। कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के भारतीय-अमेरिकी सदस्य रो खन्ना ने उन्हें अमेरिका में भारतीय समुदाय का एक महान नेता करार दिया। खन्ना ने कहा कि चटर्जी भारतीय अमेरिकी समुदाय के उन पहले लोगों में शामिल हैं जो अमेरिका की राजनीति में आए। एक वीडियो संदेश में, अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि चटर्जी ने भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किए। संधू ने कहा चटर्जी इस बात के सटीक उदाहरण हैं कि कैसे प्रवासी भारतीय अमेरिका में भारत की बेहतर समझ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुरस्कार ग्रहण करने के अवसर पर चटर्जी ने कहा कि उत्तरी कैरोलिना और अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रयासों की बदौलत भारत-अमेरिका संबंध एक लंबा सफर तय कर चुका है। उन्होंने कहा लेकिन, अभी और भी बहुत सी महत्वपूर्ण चुनौतियां हमारे सामने हैं, क्योंकि पिछले पांच-छह वर्षों में दुनिया काफी बदल गई है। उन्होंने कहा मैं सच में आशावादी हूं और अमेरिका-भारत संबंधों के भविष्य के बारे में भी बहुत उत्साहित हूं।

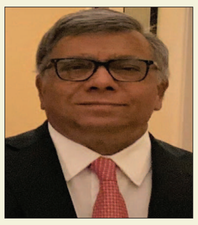

विवादित ट्वीट के मामले में इमरान की पार्टी के सांसद को मिली जमानत

इस्लामाबाद । पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक सांसद को एक स्थानीय अदालत ने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के खिलाफ उनके कथित विवादित ट्वीट के मामले में जमानत दे दी है। लगभग एक सप्ताह पहले जनरल कमर जावेद बाजवा के खिलाफ कथित विवादित ट्वीट के मामले में सांसद (सीनेटर) आजम स्वाति को गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्होंने एक कथित धनशोधन मामले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे हमजा शहबाज को बरी किए जाने के बाद ट्वीट किया था कि बाजवा जी आपको और आपके साथ के कुछ लोगों को बधाई। आपकी योजना वाकई काम कर रही है और सभी अपराधियों को देश की कीमत पर छोड़ा जा रहा है। इस्लामाबाद की जिला एवं सत्र अदालत ने शुक्रवार को 10 लाख रुपए के मुचलके पर स्वाति की जमानत मंजूर की। विशेष न्यायाधीश राजा आसिफ महमूद ने इस मामले पर गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। मामले की पिछली सुनवाई में विशेष अभियोजक राजा रिजवान अब्बासी ने अदालत के अधिकार क्षेत्र पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि इस मामले को सत्र अदालत में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। अभियोजक ने दलील दी थी कि आरोपी ने अपने ट्वीट के माध्यम से देश की एक संस्था के प्रमुख के बारे में घृणित बयान दिया है। स्वाति के वकील बाबर अवान ने कहा कि उनके मुवक्किल ने अपने ट्वीट के माध्यम से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का इस्तेमाल किया था। उन्होंने आरोप लगाया मेरे मुवक्किल को हिरासत के दौरान प्रताड़ित और अपमानित किया गया।

छात्रों का कर्ज माफ करने की बाइडन की योजना पर संघीय अपीलीय अदालत ने लगाई रोक

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक संघीय अपीलीय अदालत ने छात्रों का अरबों डॉलर का कर्ज माफ करने की राष्ट्रपति जो बाइडन की योजना पर अस्थायी रोक लगा दी है। आठवीं सर्किट अपीलीय अदालत ने रिपबल्किन पार्टी के शासन वाले छह राज्यों की याचिका पर विचार करते हुए शुक्रवार देर रात यह रोक लगाई। इन राज्यों ने अपनी याचिका में कर्ज माफी कार्यक्रम पर रोक लगाने की अपील की थी। अदालत के इस आदेश में बाइडन प्रशासन से कहा गया है कि जब तक अपील पर सुनवाई नहीं हो जाती तब तक कार्यक्रम पर आगे न बढ़ा जाए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पहले ही कर्ज माफी के लिए आवेदन कर चुके दो करोड़ 20 लाख कर्जधारकों पर इसका क्या असर पड़ेगा। बाइडन प्रशासन ने कहा था कि 23 अक्टूबर से पहले कर्जमाफी नहीं होगी क्योंकि उनकी योजनाकानूनी चुनौतियों का सामना कर रही है। हालांकि, प्रशासन ने कहा था कि नवंबर के मध्य से कर्जमाफी शुरू हो जाएगी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या एक जनवरी से पहले इस मुद्दे का समाधान निकल पाएगा।एक जनवरी को कर्ज का भुगतान करने की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है, जो महामारी के दौरान रुकी हुई थी। लाखों अमेरिकियों को बाइडन की योजना के तहत पूरी तरह से अपना कर्ज माफ होने की उम्मीद थी, लेकिन अब वे इस बात को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं कि उन्हें जनवरी में भुगतान शुरू करना होगा या नहीं। इस बीच, राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को डेलावेयर स्टेट यूनिवर्सिटी में कहा कि इस सप्ताह ऑनलाइन आवेदन उपलब्ध होने के बाद से लगभग दो करोड़ 20 लाख लोग कर्ज माफी के लिए अर्जी दे चुके हैं।

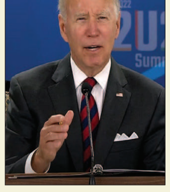

उत्तर-पूर्वी वाशिंगटन के केल्लेर में गोलीबारी, दो लोगों की मौत, तीन संदिग्ध फरार

न्यूयार्क । अमेरिका में उत्तर-पूर्वी वाशिंगटन के आदिवासी आरक्षित क्षेत्र कॉलविल में बृहस्पतिवार को हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। मामले में पुलिस तीन संदिग्धों की तलाश कर रही है। कॉलविल आदिवासी पुलिस विभाग ने स्पोकाने के पश्चिम में स्थित केल्लेर में बृहस्पतिवार को गोलीबारी होने की पुष्टि की है। अधिकारियों को दो लोगों के शव मिले हैं और एक अधिकारी को बांह में गोली लगी है। घायल अधिकारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दो संदिग्धों की पहचान करी पिनखाम और जाचरी होल्ट के तौर पर की है। तीसरे संदिग्ध की पहचान नहीं हो पाई है। आदिवासी पुलिस अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ संदिग्धों की तलाश कर रही है। अधिकारियों ने जांच के दौरान क्षेत्र के निवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की है। 'कॉलविल रिजर्वेशन' के कन्फेडरेटेड ट्राइब्स के कार्यकारी निदेशक कोडी डेसोटेल ने कहा कि ताजा हालात के कारण नेसपेलम और केल्लेर में सभी स्कूल शुक्रवार को बंद रहेंगे।

सीरिया में बमबारी करने वाले जनरल ने संभाली रुसी युद्ध की कमान

दमिश्क । सीरिया में रूसी अभियान के दौरान असैन्य नागरिकों पर बमबारी करने के लिए कुख्यात जनरल को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में हमले की कमान सौंपी है। गौरतलब है कि 1991 में मिखाईल गोर्बाचेव का तख्ता पलट करने की असफल कोशिश के दौरान मॉस्को में तीन प्रदर्शनकारियों की मौत में भी इन्हीं जनरल की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। इस घटना के बाद ही पूर्ववर्ती सोवियत संघ का विघटन हो गया। बेहद आक्रामक मुख-मुद्रा वाले जनरल सेरगी सुरोविकिन को 8 अक्टूबर को यूक्रेन में रूसी बलों की कमान सौंपी गई है। पुतिन ने क्रीमिया में सामरिक/रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पुल पर 'ट्रक बम' से किए गए हमले के बाद 56 वर्षीय जनरल को युद्ध की कमान सौंपी है। क्रीमिया पुल पर हुए हमले से न सिर्फ क्रेमलिन को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी, बल्कि रूसी सैनिकों को उपकरणों और साजो-सामान की दिक्कत भी होने लगी है। इस घटना के बाद रूस ने यूक्रेन में बेहद आक्रामक हवाई हमले किए हैं। पुतिन का कहना है कि इन हमलों का लक्ष्य ऊर्जा क्षेत्र के बुनियादी ढांचों और यूक्रेन के सैन्य कमान के विभिन्न पोस्ट को निशाना बनाना है। ऐसे हमले रोजाना हो रहे हैं और क्रूज मिसाइल तथा ईरान में निर्मित ड्रोन की मदद से ऊर्जा संयंत्रों और अन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि यूक्रेन में युद्ध की कमान संभालने के साथ-साथ सुरोविकिन वायुसेना के प्रमुख भी बने रहेंगे और इस कारण उनके लिए सैन्य अभियान के दौरान हवाई हमला करना आसान होगा।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री मार्को मेंडिसिनो के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कैनेडा में हैंडगन ब्रिकी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस दौरान उनके साथ एलीन मोहन भी रहीं, जिनके बेटे क्रिस्टोफर की ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में छह लोगों के साथ हत्या कर दी गई थीं।

म्यांमार में सैनिकों ने स्कूली शिक्षक का सिर कलम कर दरवाजे पर लटकाया

यंगून । म्यांमार की सेना पर एक गांव में स्कूली शिक्षक का सिर कलम करके उसे दरवाजे पर लटकाने का आरोप लगा है। मागवे ग्रामीण क्षेत्र के तौंग मिंत गांव में प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही और वहां ली गईं तस्वीरों के अनुसार 46 वर्षीय शिक्षक सॉ तुन मोए का सिरकटा शव स्कूल के दरवाजे के सामने जमीन पर पड़ा हुआ था जबकि सिर दरवाजे पर लटका था। स्कूल पिछले साल से बंद है और उसमें भी आगजनी के निशान मिले हैं। एक ग्रामीण ने बताया कि वह सॉ तुन मोए समेत लगभग दो दर्जन ग्रामीणों में शामिल थी, जो 30 मिनट मूंगफली के खेत में एक झोपड़ी के पीछे छिपे हुए थे, तभी हथियारबंद लोगों के साथ 80 से अधिक सैनिकों का एक समूह वहां पहुंचा और हवा में गोलियां चलानी शुरू कर दीं। सेना आम नागरिकों को हथियार मुहैया कराकर उनसे अपने लिए काम कराती है। आम नागरिक छापेमारी के दौरान गाइड के तौर पर काम करते हैं। महिला ने बताया कि सैनिकों ने उन्हें पकड़ लिया। उनके फोन और अन्य सामान जब्त कर लिए और एक अधिकारी के आदेश पर तीन लोगों को समूह से अलग कर दिया तथा केवल सॉ तुन मोए को अपने साथ ले गए। प्रत्यक्षदर्शी महिला ने कहा कि सॉ तुन मोए को लगभग एक किलोमीटर दूर तौंग मिंत गांव ले जाया गया और अगले दिन वहीं पर उसकी हत्या कर दी गई। महिला ने कहा, मुझे सोमवार सुबह पता चला कि उसकी हत्या कर दी गई है। एक अच्छे शिक्षक को खोना बहुत दुखद है, जिस पर हमारे बच्चों की शिक्षा निर्भर थी।

चीन ने तैयार की ताइवान की बर्बादी की पूरी स्क्रिप्ट

संविधान में किया संशोधन, क्या दिसंबर में ड्रैगन करने वाला है बड़ा हमला?

बीजिंग (एजेंसी)।

ताइवान की आजादी को कुचलने पर जिनपिंग की मुहर लग गई है। यानी ताइवान के साथ तो चीन का टकराव है ही अब ताइवान की स्वतंत्रता का विरोध अब चीनी संविधान में शामिल है। यानी ताइवान की स्वतंत्रता को लेकर चीन की संविधान में प्रावधान शामिल किया है। चीन का ये बहुत बड़ा फैसला है। सीसीपी ने ताइवान के खिलाफ अपने संविधान में ये संशोधन किया है और ताइवान की स्वतंत्रता का विरोध अब चीनी संविधान में शामिल किया है। यानी ये बदलाव किया गया है कि अब आप ताइवान का खुलकर विरोध कर सकते हैं। वहीं ताइवान को लेकर चल रहे तनाव के बीच अमेरिकी नौसेना प्रमुख ने चेतावनी देते हुए कहा कि चीन इस साल के अंत तक ताइवान पर हमला कर सकता है।

चीन ने बदला संविधान

-ताइवान की स्वतंत्रता की मांग अब अवैध है। यानी कोई भी अगर ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करेगा तो ये अवैध होगा।

-चीन के संविधान में अब ऐसी कोई भी मांग अमान्य होगी।

-ताइवान की स्वतंत्रता का विरोध अब संवैधानिक है।

-स्वतंत्रता की वकालत करने वाले अलगाववादी होंगे।

-स्वतंत्रता के समर्थकों को कुचलने का चीन को हक है।

अमेरिकी नौसेना प्रमुख ने चेतावनी दी

अमेरिकी नौसेना के प्रमुख ने चेतावनी दी है कि 2024 से पहले ताइवान पर चीनी आक्रमण की संभावना के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि वाशिंगटन द्वीप के लिए खतरे के बारे में तेजी से चिंतित है। नौसेना संचालन के प्रमुख एडमिरल माइक गिल्डे ने कहा कि अमेरिका को यह विचार करना होगा कि चीन ताइवान के खिलाफ और भी अधिक निराशावादी चेतावनियों की तुलना में बहुत जल्द कार्रवाई कर सकता है। ख एडमिरल फिलिप डेविडसन ने पिछले साल कांग्रेस से कहा था कि चीनी सेना 2027 से पहले ताइवान के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है, इस बारे में अमेरिका में बहस तेज हो गई है कि चीन ताइवान पर कब आक्रमण कर सकता है। डेविडसन की चेतावनी को आंशिक रूप से कम करके आंका गया था। अधिकारियों ने पिछले एक साल में अपनी चेतावनी तेज कर दी है। यूएस नेवी चीफ ने कहा, 'जब हम साल 2027 के मौके की बात करते हैं तो मेरे विचार से यह साल 2022 या 2023 हो सकता है।

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने की दिवाली पार्टी, कहा- ये संस्कृतियों के बीच मेल मिलाप को पेश करती है

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने शुक्रवार को कहा कि दिवाली एक सार्वभौमिक अवधारणा है जो संस्कृतियों के बीच मेल मिलाप को प्रस्तुत करती है। उन्होंने अपने सरकारी आवास पर विभिन्न भारतीय-अमेरिकियों के लिए आयोजित दिवाली समारोह में यह बात कही। उपराष्ट्रपति के सरकारी आवास 'नेवल ऑब्जरवेटरी' को रोशनी और मिट्टी के दियों को से सजाया गया था जबकि मेहमानों को पानी पूरी से लेकर पारंपरिक मिठाइयों समेत कई तरह के भारतीय व्यंजन परोसे गए। समारोह में शामिल हुए समुदाय के नेताओं ने यह जानकारी दी। हैरिस ने सौ से अधिक भारतीय-अमेरिकियों की मौजूदगी में कहा कि दिवाली एक सार्वभौमिक अवधारणा है जो संस्कृतियों के बीच मेल मिलाप को प्रस्तुत करती है। यह अंधेरे पर प्रकाश के महत्व को दर्शाती है और अंधकारमय पलों में रोशनी बिखरेती है। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति के रूप में मेरा मानना है कि हम अपने देश और दुनिया की बड़ी चुनौतियों से मुंह नहीं फेर सकते; दिवाली वह त्योहार है, जो हमें अंधकारमय पलों में प्रकाश का महत्व बताता है। चेन्नई में बीते बचपन के दौरान अपने नाना-नानी के साथ दिवाली का जश्न मनाने के दिनों को याद करते हुए हैरिस ने कहा कि दिवाली एक परंपरा है। उन्होंने कहा कि यह संस्कृति है। यह एक सदियों पुरानी अवधारणा है, जो संस्कृतियों और समुदायों के मेल मिलाप को पेश करती है समारोह में सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति, राष्ट्रपति की विशेष सलाहकार नीरा टंडन और बाइडन के भाषण लेखक विनय रेड्डी समेतबाइडन-हैरिस प्रशासन के कई भारतीय अमेरिकी सदस्यों ने शिरकत की। भारत में अमेरिका के राजदूत रहे रिच वर्मा ने भी समारोह में शरीक हुए।

रक्षा प्रशिक्षण के लिए भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों का चयन करते हैं श्रीलंकाई सशस्त्र बल

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को कहा कि श्रीलंका के सशस्त्र बलों के वास्ते शीर्ष अधिकारी तैयार करने के लिए भारतीय सैन्य प्रतिष्ठान श्रीलंकाई सेना के पसंदीदा विकल्प रहे हैं। भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा, ''श्रीलंकाई प्रशिक्षुओं को सालाना 1,500-1,700 'स्लॉट' आवंटित किए जाते हैं, जो लगभग 50-55 करोड़ भारतीय रुपये (60 लाख अमरीकी डालर से अधिक) के बराबर है। इसी तरह, श्रीलंका के मैत्री सशस्त्र बलों द्वारा भारतीय सशस्त्र बलों के अधिकारियों की मेजबानी की जाती है।''

उसने कहा कि रक्षा में द्विपक्षीय जुड़ाव प्रकृति में बहु-आयामी है। उसने कहाकि उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान कोविड-19 द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद दोनों ओरसे जारी रहा। बयान में कहा गया है कि एसएलआईएनईएक्स (नौसेना अभ्यास) और 'मित्र शक्ति' (सैन्य अभ्यास) हर साल वैकल्पिक रूप से भारत और श्रीलंका में आयोजित किए जाते हैं। दोनों सशस्त्र बल मादक पदार्थ और मानव तस्करी जैसी साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में घनिष्ठ रूप से सहयोग करते हैं।

श्रीलंका के रक्षा राज्य मंत्री पी बी तेनाकून वर्तमान में द्विवार्षिक वैश्विक रक्षा प्रदर्शनी डेफएक्सपो2022 में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा पर हैं। तेनाकून ने रक्षा क्षेत्र में भारत और श्रीलंका के बीच साझेदारी की सराहना की। बयान में कहा गया है कि अनुभव साझा करना और क्षमता निर्माण भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग का एक प्रमुख स्तंभ रहा है।

लिज ट्रस के बाद अगले ब्रिटिश प्रधानमंत्री को लेकर कयास, सट्टेबाज सुनक पर लगा रहे दांव

बीजिंग। (एजेंसी)।

ब्रिटेन की सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी में गहरे विभाजन के मद्देनजर लिज ट्रस के इस्तीफे के बाद पार्टी नेता और प्रधानमंत्री पद को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। लेकिन सट्टेबाजों की पसंद भारतीय मूल के ब्रिटिश व पूर्व चांसलर ऋषि सुनक बने हुए हैं। पिछले महीने नेतृत्व के लिए हुए चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे सुनक ने ट्रस के लघु बजट से आर्थिक संकट आने का पूर्वानुमान लगाया था और उन्हें अब 10 डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास) के लिए मुफीद माना जा रहा है।

सट्टेबाजी संस्था ऑडचेकर के मुताबिक 42 वर्षीय सुनक 55 प्रतिशत पसंदीदा राय ले कर साथ सबसे आगे चल रहे हैं जबकि 29 प्रतिशत की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की सत्ता में वापसी की उम्मीद जताई जा रही है। तीसरे स्थान के लिए हाउस ऑफ कामन (संसद के निचले सदन)की नेता पेनी मोरडांट का नाम उभर रहा है जो पिछले नेतृत्व चुनाव में लिए संसदीय मतों के पहले चरण के चुनाव में तीसरे स्थान पर रही थीं।

सुनक को खुले तौर पर समर्थन करने वाले करीब 50 सांसदों में शामिल डोमनिक राब ने ट्वीट किया, '' मैं प्रधानमंत्री पद के लिए सुनक का समर्थन करता हूं। उनके पास ब्रिटिश लोगों की सेवा के लिए सरकार में बेहतरीन प्रतिभाओं को लाकर वित्तीय स्थिरता को बहाल करने, महंगाई को कम करने और कर कटौती और कंजर्वेटिव पार्टी को एकजुट रखने की योजना और विश्वसनीयता है।'' विपक्ष द्वारा तत्काल मध्यावधि चुनाव कराने की मांग की जा रही है।

वहीं सत्तारूढ़ दल में ट्रस के उत्तराधिकारी के चुनाव को लेकर ऊहापोह की स्थिति है। पार्टी को तय करना है कि पद संभालने के 44 दिनों के भीतर इस्तीफा देने वाली ट्रस का उत्तराधिकारी कौन होगा। कंजर्वेटिव पार्टी के नियमों के मुताबिक प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के लिए कम से कम 100 सांसदों का समर्थन होना चाहिए जिसकी मियाद सोमवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न दो बजे समाप्त हो रही है। 'पार्टी गेट' का सामना कर चुके जॉनसन के बारे में मानना है कि उनकी वापसी के लिए करीब 140 सांसद समर्थन कर रहे हैं।

सीपीसी के महासम्मेलन का नाटकीय अंदाज में समापन, पूर्व राष्ट्रपति हू को जबरन बाहर निकाला गया

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) का महासम्मेलन शनिवार को नाटकीय अंदाज में सपंन्न हुआ और मीडिया के सामने ही पूर्व राष्ट्रपति हु जिंताओ को जबरन मंच से उतार दिया गया। जिंताओ (79) राष्ट्रपति चिनफिंग और अन्य शीर्ष नेताओं के साथ ग्रेट हॉल ऑफ पीपुल (संसद भवन) में पहली कतार में बैठे थे कि तभी दो लोगों ने उन्हें बैठक से जाने को कहा। माना जा रहा है कि वे दो व्यक्ति सुरक्षाकर्मी थे। यह घटना तब हुई जब 2,296 प्रतिनिधियों की भागीदारी वाली बैठक को कवर करने के लिए स्थानीय और विदेशी मीडिया को अनुमति दी गई थी। इस घटना का करीब एक मिनट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें जिंताओ खुद को बाहर किए जाने पर सुरक्षाकर्मियों से प्रतिवाद करते हुए दिखाई देते हैं। जिंताओ ने वर्ष 2010 में 10 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता हस्तांतरण किया था। वीडियो में पूर्व राष्ट्रपति कमजोर दिखाई देते हैं और उनके हाथों में एक कागज दिखता है। वह दो लोगों से उन नेताओं की घबराहट के बारे में बात करते दिखते हैं जो पूरी घटना के दौरान मूकदर्शक बने रहे। अंततः, वह बाहर निकलते हैं। जिंताओं को चिनफिंग से कुछ कहते देखा गया जिसके जवाब में उन्होंने अपना सिर हिलाया और प्रधानमंत्री ली केकियांग को थपकी दी। इसके बाद जिंताओ को दो लोगों के साथ बाहर जाते देखा गया लेकिन उनकी निकासी के कारणों की जानकारी नहीं दी गई है। उल्लेखनीय है कि जिंताओ ने न केवल महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र में हिस्सा लिया बल्कि पूरे सत्र के दौरान भी मौजूद रहे। सीपीसी की सभी बैठकें अति गोपनीय तरीके से होती हैं और इस तरह की घटना दुर्लभ है।

संपादकीय

रोजगार के यक्ष प्रश्न

केंद्र सरकार द्वारा आज से देशभर में नौकरियां देने का अभियान चलाने का दावा किया जा रहा है, जिसके तहत 75 हजार नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति-पत्र सौंपने की बात कही जा रही है। साथ ही आगामी वर्ष तक दस लाख लोगों को विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी देने की घोषणा भी की गयी है। हालांकि, देश कोरोना महामारी के दौरान उपजी भयावह बेरोजगारी से उबरने लगा है, लेकिन अभी भी स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। मिनिस्टरी ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन द्वारा 14 जून को जारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष की पहली तिमाही में शहरी बेरोजगारी दर 7 फीसदी से कुछ अधिक है। हालांकि, स्वतंत्र पर्यवेक्षक इसे कहीं ज्यादा बताते हैं। निस्संदेह, देश में बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में सरकार द्वारा चलाया जा रहा भर्ती अभियान सार्थक पहल है, लेकिन यह मर्ज का अंतिम व कारगर उपचार नहीं है और राजग सरकार द्वारा हर वर्ष दिये जाने वाले रोजगारों के वादों की हकीकत से मेल नहीं खाता। विपक्षी दल हालिया भर्ती अभियान को 2024 के महासमर के राजनीतिक दांव के रूप में देखते हैं। निस्संदेह, किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला नैतिक दायित्व है कि वह हर हाथ को काम देने की ईमानदार कोशिश करे। इसकी घोषणा महज राजनीतिक लाभ-हानि के एजेंडे के रूप में तो कदापि नहीं होनी चाहिए। सवाल यह भी है कि जब सरकारी नौकरियां सिमट रही हैं और सरकार के गैर-उत्पादक खर्चों में लगातार वृद्धि हो रही है तो रोजगार अभियान महज सरकारी नौकरियों तक ही क्यों सीमित रहे? दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं के देश में हम ऐसी कार्य-संस्कृति विकसित नहीं कर पाये जो युवाओं को स्वावलंबी बनाये और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में वृद्धि कर सके। जिससे देश में उत्पादकता में वृद्धि और युवाओं में उद्यमशीलता का विकास हो सके। आखिर अमृतमहोत्सव मना रहे देश में युवा सरकारी नौकरियों के सम्मोहन से मुक्त क्यों नहीं हो पा रहा है!

यहां सवाल सरकारी नौकरियों में परीक्षा, साक्षात्कार और चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को लेकर भी है। हाल ही में खबर आई थी कि हरियाणा न्यायिक लिखित परीक्षा के मुख्य टॉपर साक्षात्कार में पिछड़ गये। यह तार्किक नहीं है कि लिखित परीक्षा में कोई प्रत्याशी शानदार प्रदर्शन करे और साक्षात्कार में पिछड़ जाये। किसी प्रतिभागी की योग्यता में यह विरोधाभास हमारी चयन प्रक्रिया पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। आये दिन हम प्रतियोगिता परीक्षाओं के पेपर आउट होने और कई तरह की धांधलियों की खबरें मीडिया में सुर्खियां बनते देख रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि कुछ शातिर लोग हमारी प्रतियोगिता परीक्षा की चयन प्रक्रिया में सेंध लगाने में सफल हो जाते हैं। सरकारों की ओर से चयन प्रक्रिया में धांधली को रोकने के लिये जो उपाय टुकड़ों-टुकड़ों में किये जाते रहे हैं, वे कारगर होते नजर नहीं आते। यह देश की प्रतिभाओं के साथ घोर अन्याय ही है। चयन प्रक्रिया में राजनीतिक दखल और धनबल का असर कम न कर पाना हमारी विफलता ही है। विडंबना यह भी है कि हमारी शिक्षा प्रणाली में जो भारी विभाजन है, वह प्रतियोगियों के साथ नैसर्गिक न्याय नहीं करता। समाज का संपन्न तबका तो महंगे कोचिंग संस्थानों के बूते प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के गुर हासिल कर लेता है लेकिन गरीब व ग्रामीण स्कूलों से निकले छात्र इस कड़ी स्पर्धा का मुकाबला नहीं कर पाते। हमारी चयन प्रक्रिया में तमाम तरह की विसंगतियां मौजूद हैं, जो प्रतियोगियों के साथ न्याय नहीं करती। निस्संदेह, हमारी शिक्षा प्रणाली भी बदलते वक्त के अनुरूप खुद को ढाल नहीं पायी है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में प्रतिस्पर्धा और समय की जरूरतों के रोजगार के लिये युवाओं को प्रशिक्षित किये जाने की जरूरत है। उनमें कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे युवाओं की सरकारी नौकरियों पर निर्भरता को कम किया जा सके। विडंबना है कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं के देश में हम रोजगार के पर्याप्त अवसर विकसित नहीं कर पाये हैं। सरकार को निजी क्षेत्र के साथ मिलकर रोजगार अभियान चलाने चाहिए, जिससे रोजगार के साथ देश में उत्पादन भी बढ़े।

जनसंख्या नियंत्रण और उप्र

जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार संजीदा दिखती है। संगम नगरी प्रयागराज में जुटे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल में चार दिन की गहन मंत्रणा के बाद मुख्यमंत्री की संघ प्रमुख से मुलाकात के गहरे निहितार्थ हैं। इससे पहले संघ के सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोल ने पिछले दिनों जनसंख्या पर नीति बनाने की बात कही थी। हालांकि उन्होंने इसे सभी के लिए अमल में लाने की बात दोहराई। आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश की सरकार इस बेहद संवेदनशील मसले पर नई नीति ला सकती है। यानी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जनसंख्या नियंत्रण को लेकर आक्रामक राजनीति करने की रणनीति पर काम करेगी।

रणनीति का पहला प्रयोग उस प्रदेश में किया जाएगा, जहां भाजपा लगातार दूसरी बार सत्ता में आई है। जहां तक बात संघ की जनसंख्या नियंत्रण की नीति की है, तो यह काफी पहले से संघ के विचार और कार्यनीति का हिस्सा रही है। हाल के वर्षों में संघ जनसंख्या नियंत्रण और जनसंख्या असंतुलन को लेकर काफी मुखर रहा है। उसका मानना है कि एक वर्ग विशेष में जनसंख्या में वृद्धि चिंता की बात है और इस महत्वपूर्ण विषय पर न केवल कानून बनाया जाए बल्कि कानून का सख्ती से पालन भी हो। हालांकि यह इतना आसान नहीं है। भाजपा को छोड़कर अधिकांश राजनीतिक पार्टियां जनसंख्या नियंत्रण की संघ की दलील (एक वर्ग विशेष से जोड़ने को) सही नहीं मानते हैं। मगर संघ का साफ तौर पर मानना है कि देश की अधिकांश समस्याओं मसलन; बेरोजगारी, धर्मांतरण, संसाधनों का इस्तेमाल आदि सिर्फ-और-सिर्फ अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि की वजह से हैं। इसलिए जनसंख्या वृद्धि पर लगाम लगाना संघ के साथ केंद्र सरकार के भी एजेंडे में है। लिहाजा, केंद्र सरकार जनसंख्या नियंत्रण को लेकर देश स्तर पर कानून ला सकती है, जो राज्यों के लिए बाध्यकारी होगा। संघ का तो यहां तक मानना है कि भारत सहित कई देशों के बंटवारे में जनसंख्या असंतुलन की बड़ी भूमिका रही है। सियासी पंड़ितों का तो मानना है कि जनसंख्या नियंत्रण पर चर्चा दरअसल आगामी चुनाव की पृष्ठभूमि है और ऐसे मसले भाजपा के लिए मुफीद भी हैं। देखना हैग आगे क्या-क्या होता है?

चिंतन-मनन

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया।

भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शापाङ्क में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

मेडिकल शिक्षा में भाषाई विकल्प के किंतु-परंतु

> निस्संदेह, मातृभाषा में मेडिकल की पढ़ाई स्वागतयोग्य है। लेकिन क्या इन पाठ्यक्रमों के लिये पर्याप्त तैयारी की गई है? क्या हम वैश्विक शोध अनुसंधान से जुड़ी संदर्भ सामग्री हिंदी व अन्य भाषाओं में उपलब्ध करा पायेंगे? यदि मातृभाषा में डिग्री पाने के बाद छात्र उच्च शिक्षा विदेश या दूसरे राज्य में करेंगे तो क्या वे सहजता से पढ़ पायेंगे?

दिनेश सी. शर्मा

पिछले हफ्ते भोपाल में इंग्लिश से हिंदी में अनुवादित तीन मेडिकल शिक्षा पुस्तकों का विमोचन काफी प्रचार के मध्य हुआ। ये किताबें मध्य प्रदेश में एमबीबीएस कोर्स हिंदी भाषा में शुरू करने वाली कवायद का हिस्सा हैं। यह प्रयास केंद्रीय सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति क्रियान्वित किए जाने के उपरांत आया है, जिसके अंतर्गत तकनीकी और मेडिकल कोर्स की पढ़ाई भारतीय भाषाओं में करवाने पर बल देना है।

तमाम मुख्य प्रतियोगी परीक्षाएं जैसे कि व्यावसायिक कोर्सों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी के अलावा एक दर्जन से अधिक भारतीय भाषाओं में दिए जाने का प्रावधान है। हाल ही में यही तरीका विश्वविद्यालयों में स्नातक कोर्स प्रवेश के लिए संयुक्त परीक्षा वाली नई योजना में भी अपनाया गया है।

उच्चस्तरीय पढ़ाई भारतीय भाषाओं में करवाना कोई नया विचार नहीं है। देशभर के शिक्षा संस्थानों में पीएचडी स्तर तक का पाठ्यक्रम विभिन्न भाषाओं में है। आयुर्वेदिक चिकित्सा की पढ़ाई भी हिंदी सहित अन्य भारतीयों भाषाओं में होती आई है। कुछ साल पहले, तमिलनाडु ने भी मेडिकल साइंस शिक्षा तमिल में करवाने पर विचार किया था। विगत में उस्मानिया विश्वविद्यालय में 1918-1948 के बीच मेडिसिन और इंजीनियरिंग की पढ़ाई उर्दू में करवाई जाती थी। भोपाल में पुस्तक विमोचन करते वक्त केंद्रीय मंत्री ने मेडिसिन शिक्षा हिंदी में करवाने के पीछे तर्क गिनाते हुए कहा कि अंग्रेजी की बजाय पाठ्यक्रम भारतीय भाषा में होने से विद्यार्थी के संज्ञानात्मक कौशल का विकास होगा, मसलन विचार, स्मरण, अनुसंधान, तार्किकता, विश्लेषण और निर्णय लेने की शक्ति बनाना। हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में प्रशिक्षण प्राप्त डॉक्टर मरीजों के साथ बेहतर आपसी संवाद कर पायेंगे।

उक्त संभावित फायदों के बावजूद लगता है कि बदलाव जल्दबाजी में किया जा रहा है। सबसे बड़ी चुनौती है तकनीकी और विज्ञान विषयक पुस्तकों का अनुवाद करना। बीमारियां, अंग, शारीरिक संरचना और लक्षणों इत्यादि का जो नामकरण अंग्रेजी में है, क्या भारतीय भाषाओं में जस-का-तस रखा जाएगा या अनुवादित रूपांतरण? भोपाल में जारी तीन किताबों के शीर्षक- एनाटॉमी, बायोकैमेस्ट्री और फिजियोलॉजी- के मुताबिक तो यही लगता है कि अनुवादित पुस्तकों में अंग्रेजी की जानी-पहचानी शब्दावली को अपनाया गया है। प्रभावी रूप से, पाठ्यक्रम सामग्री की व्याख्या ही हिंदी में होगी जबकि शब्दावली अंग्रेजी वाली ही रहेगी। जैसा कि कइयों को डर है, उम्मीद करें कि अनुवादित पुस्तकों की भाषा संस्कृत पुट वाली मुश्किल न होकर सरल और बोलचाल वाली रखी जाएगी।

जो भी है, मेडिकल पाठ्यक्रम का अनुवाद स्थानीय भाषाओं में करना काफी कठिन है। यह कार्य दोनों भाषाओं के विषयक माहिरों द्वारा सावधानीपूर्वक किया जाना जरूरी है। भावी चिकित्सकों के लिए कोर्स सामग्री की गुणवत्ता से समझौता न होने पाए। क्योंकि आगे चलकर इन स्नातकों ने मानव जीवन बचाना है। पाठ्यक्रम पुस्तकें मेडिकल कोर्स का केवल एक भाग होती हैं, जबकि सैकड़ों की संख्या में संदर्भ सामग्री, नियमावली और मेडिकल संहिताएं अधिकांशतः अंग्रेजी में हैं और चिकित्सक के प्रशिक्षण और कार्य करने में इनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

फिलहाल भारत में लगभग 600 मेडिकल कॉलेज हैं और विद्यार्थी अपने गृह-राज्य से इतर अन्य सूबों के कॉलेजों में दाखिला लेने को स्वतंत्र हैं। किंतु अब अंग्रेजी तजने से यह विकल्प मुश्किल बन जाएगा, उदाहरणार्थ जिस विद्यार्थी ने डिग्री मध्य प्रदेश में हिंदी पाठ्यक्रम से ली होगी, उसके लिए अन्य राज्य जैसे कि कर्नाटक या महाराष्ट्र जाकर स्नातकोत्तर कोर्स करना कठिन हो जाएगा, क्योंकि वहां शिक्षा माध्यम या तो अंग्रेजी में होगा या फिर स्थानीय भाषा में। इस वर्ग में आते विद्यार्थियों के लिए आगे की पढ़ाई विदेशों में करना और भी मुश्किल होगा।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में जब पढ़ाई उर्दू में करवाई जाती थी, तब भी सबके लिए अंग्रेजी में महारत अनिवार्य थी और पाठ्यक्रम अंग्रेजी में ही था। फिर, उर्दू में पढ़ाई शुरू करवाने के पहले एक अलग अनुवाद ब्यूरो की स्थापना की गई और तकनीकी शब्दावली के लिए अनुवाद का तरीका विकसित किया गया था। रबीन्द्रनाथ टैगोर सहित देशभर के शिक्षाविदों से सलाह ली गई। इस किस्म की योजनात्मक कार्यविधि मौजूदा मामले में नदारद है। छात्र समुदाय सहित संबंधित तमाम पक्षों से मशविरा भी कहीं दिखाई नहीं दिया। यदि पाठ्यपुस्तकों का अनुवाद अनेक भारतीय भाषाओं में होने जा रहा है, तो परस्पर सुसंगतता के लिए शब्दावली का मानकीकरण जरूरी है।

तकनीकी कोर्स की पढ़ाई मातृभाषा में करवाने के पैरोकार जापान का उदाहरण देते हैं, जिसने जापानी भाषा के माध्यम से वैज्ञानिक और औद्योगिक क्षेत्र में तरक्की की है। इसको लेकर उस्मानिया विश्वविद्यालय भी जापान से प्रेरित था। तकनीकी शिक्षा के जापानी मॉडल के अध्ययन के लिए 1920 में हैदराबाद के सार्वजनिक निर्देशन विभाग के निदेशक सैयद रॉस मसूद को जापान भेजा गया था। चीन, रूस, जर्मनी भी अपने यहां तकनीकी कोर्स अपनी-अपनी भाषा में करवाते हैं और कई दशकों से नई तकनीकी शब्दावली भी ईजाद करते आए हैं। इन मुल्कों और भारत में मुख्य अंतर यह है कि वहां का समाज ज्यादातर एकल-संस्कृति आधारित है जबकि भारत में विविध भाषाएं और संस्कृतियां हैं।

गृहमंत्री ने भारतीय तकनीक संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में दिए अपने संबोधनों में तकनीकी शिक्षा भारतीय भाषाओं में शुरू करने का जिक्र किया है। भोपाल में उन्होंने कहा कि 10 राज्य सरकारें अपने यहां इंजीनियरिंग की पढ़ाई स्थानीय भाषा में करवाने की तैयारी कर रही हैं और इसके लिए तमिल, तेलुगू, मराठी, बंगाली, मलयालम और गुजराती में अनुवाद किया जा रहा है। शब्दावली की समस्या के अलावा भारतीय भाषाओं में शिक्षा से जुड़े ऐसे कोर्स आर्थिकी के लिए महत्वपूर्ण सेवा क्षेत्र में भारत की प्रतिस्पर्धा को क्षीण करेंगे, खासकर आउटसोर्सिंग में हमारी सरदारी को। सॉफ्टवेयर और आई-टी युक्त सेवाओं में भारत की बढ़त बनाने के मुख्य गतिज कारकों में एक बड़ी भूमिका हमारे इंजीनियरिंग बल की अंग्रेजी में हाथ साफ होने की रही। भारत को ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जो इस क्षेत्र में मौजूदा अग्रणी स्थिति को कमजोर करता हो, खासकर ऐसे वक्त पर जब अन्य मुल्क तेजी से ऊपर आने लगे हैं और मानव कर्मियों की जगह मशीनें लेती जा रही हों।

हिन्दी माध्यम की मेडिकल पुस्तकों की शुरुआत को शिक्षा क्षेत्र में पुनर्जागरण और पुनर्गठन की तरह प्रचारित किया जा रहा है। वास्तविक पुनर्जागरण तो भारतीय भाषाओं में नूतन एवं मौलिक ज्ञान का सृजन और भारतीय भाषा में प्रशिक्षित हुए छात्रों के लिए रोजगार के अवसर बनाने में होगा।

विचार मंथन

धर्म के नाम पर कहां से कहां पहुंच गए

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की बेंच ने हेट स्पीच मामले मैं दायर याचिका पर सुनवाई की। उन्होंने कहा 21 वीं सदी में धर्म के नाम पर क्या हो रहा है। धर्म के नाम पर हम कहां से कहां पहुंच गए। हमने ईश्वर को कितना छोटा बना दिया है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, हेट स्पीच में दिए गए बयानों को सुनने के बाद इतनी विचलित हो गई, कि उसने कहा ऐसे नफरती भड़काऊ बयानों पर तत्काल सख्त कार्यवाही की जाए। घृणा और नफरत का माहौल देश में हावी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसी को तत्काल कार्यवाही करने का आदेश दिया है। ऐसा नहीं होने पर उनकी जिम्मेदारी तय करने की बात भी कही है।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार धर्म को लेकर जिस तरह के नफरत और भड़काऊ बयानों की पिछले कुछ वर्षों में बाढ़ आ गई है। ऐसा लगता है कि कानून का एक वर्ग विशेष को कोई डर ही नहीं रह गया है। जांच एजेंसियों द्वारा प्रमाण होने के बाद भी कानूनी कार्यवाही नहीं करना, देश को नफरती और समाज को हिंसक बना रही है।

देर आए दुरुस्त आये की तर्ज पर सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों की जो जिम्मेदारी तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने जो कड़ा रुख अपनाया है। उससे आशा की जा सकती है, कि हेट स्पीच देने वाले धर्मगुरु, राजनेता अथवा असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी। धर्म के नाम पर देश में नफरत की जो खेती हो रही है। उसको रोका जा सकेगा। इसमें सरकार की भूमिका भी अति महत्वपूर्ण है। शासन और प्रशासन के रुख पर ही जांच एजेंसियां और पुलिस प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जाती है। जांच एजेंसियों की जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी। न्यायपालिका के आदेश तब तक प्रभावी भी ही नहीं होंगे।

धर्म के नाम पर भगवान के प्रति जो हमारी आस्था है। उसमें नफरत का कोई स्थान किसी भी अन्य धर्म के बारे में नहीं होता है। सनातन धर्म सबसे पुराना धर्म है। समूह में अथवा कुल परंपरा में अपनी-अपनी आस्था के अनुसार धर्म का चयन स्वाभाविक रूप से होता है। अपने कुल गुरु, देवी-देवता, भगवान के प्रति आस्था जन्मजात बनती हैं। किसी भी धर्म को मानने वालों की आस्था ही उनका धर्म होता हैं। उसके धार्मिक गुण, उसके आचरण में होते हैं। सभी धर्म परोपकार की शिक्षा देते हैं। भाईचारे की शिक्षा देते हैं। कोई भी धार्मिक व्यक्ति कभी भी किसी के साथ धर्म के आधार पर नफरत नहीं कर सकता है।

पिछले कुछ वर्षों में धर्म और आस्था के नाम पर जिस तरह का नफरती वातावरण एक दूसरे के प्रति देश में बनाया जा रहा है। उससे नफरत की खेती तेजी के साथ हो रही है। हर कोई एक दूसरे को मरने-मारने पर उतारू है।

जैन धर्म में 'भावहिंसा' को सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। जिस व्यक्ति के लिए हमारी जैसी हिंसक भावनाएं आती है। हिंसा का भाव जागृत होते ही हिंसा का दोष लग जाता है। भले हमने किसी को शारीरिक रूप से नुकसान ना पहुंचाया हो, तो वह भी भाव हिंसा मानी जाती है। ऐसी हिंसा किसी भी समाज को आगे बढ़ने से रोकती है।

स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में जिस तरह से महात्मा गांधी ने दलितों, अछूतों, आदिवासियों एवं सभी धर्म के लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ा। सभी जाति समुदाय और धर्म के लोगों के प्रति महात्मा गांधी का जो प्रेम एवं समानता का भाव था। उसने अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर विवश कर दिया। सामाजिक व्यवस्था में सभी को अपने से जोड़ने की प्रवती होती है। तभी लोग जुड़ते हैं। जब हम नफरत करते हैं। तो हमसे लोग दूर हो जाते हैं। भारत विभाजन के बाद 2 साल तक हिंदू और मुसलमानों के बीच में दंगे हुए, या दंगे कराए गए। यह विवाद का विषय हो सकता है। लेकिन संविधान लागू होने के बाद भारत के सभी लोगों की आस्था संविधान के प्रति हो गई। न्यायपालिका के प्रति आस्था मजबूत हुई।

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से धार्मिक उन्माद फैलाकर बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक शक्ति प्रदर्शन कर, अपना अस्तित्व जताने की कोशिश कर रहे हैं। उससे धीरे-धीरे सब कुछ बिखरता जा रहा है। सबकी अपनी-अपनी आस्थाएं हैं। आर्य समाज के लोग भगवान को नहीं मानते हैं। बौद्ध समाज के लोग हिंदू देवी देवताओं को नहीं मानते हैं। कोई शिव को मानता है, कोई विष्णु को मानता है। कोई राम को मानता है किसी का भगवान ईसा मसीह हो सकते हैं। किसी के भगवान खुदा हो सकते हैं। लेकिन इन सभी को समाज के बीच में रहना होता है। सभी अपना अपना धर्म मानते हुए, सामाजिक व्यवस्था का पालन कर समाज का अंग बनते हैं। भारत में संविधान है। सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए गए हैं। किसी को भी एक दूसरे की निजिता पर हस्तक्षेप करने का कानून में कोई अधिकार नहीं है। यदि कोई व्यक्ति ऐसा कुछ करता है, तो कानून के अनुसार उसके दंड का भागी है। न्याय एवं दण्ड व्यवस्था मजबूत होगी। तभी हम नफरत और हिंसा को रोकपाने में कामयाब होगे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने आशा की नई किरण दिखाई है।

चुनाव सुधार

अमल में लाना होगा यह नियम

पीयूष द्विवेदी

देश में चुनाव सुधार का विषय अक्सर उठाया जाता हैग लेकिन हाल के दिनों में चुनाव आयोग द्वारा इस दिशा में कुछ सक्रियता भी दिखाई गई है। अभी कुछ समय पहले चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों के चुनावी वादों के संबंध में एक दो पन्नों का परफोर्मा जारी करते हुए कहा गया था कि राजनीतिक दल अपने घोषित वादों को पूरा करने और उनके लिए वित्तीय प्रबंध का तरीका सार्वजनिक करें। अब आयोग ने केंद्रीय कानून मंत्रालय को एक प्रस्ताव भेजा हैग जिसमें एक व्यक्ति के केवल एक सीट से चुनाव लड़ने का नियम लागू करने की बात कही गई है। यदि संविधान संशोधन के जरिये इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है, तो फिर नेताओं के लिए दो सीटों से चुनाव लड़ने का मार्ग बंद हो जाएगा। गौर करें तो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अनुसार किसी भी उम्मीदवार के कितनी भी सीटों से चुनाव लड़ने की छूट थी, जिसे 1996 के संविधान संशोधन के द्वारा दो सीटों तक सीमित कर दिया गया था। आज इस नियम के तहत नेता दो सीटों से चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन समय-समय पर दो सीटों के नियम को भी परिवततत करके एक व्यक्ति-एक सीट की व्यवस्था लागू करने की बात की जाती रही है। चुनाव आयोग ने अब से पूर्व 2004 में भी इस संबंध में एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था, लेकिन तब इस प्रस्ताव पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। 2015 में विधि आयोग ने भी चुनाव सुधार पर अपनी 211 पन्नों की रिपोर्ट में सुझाव दिया था कि उम्मीदवारों को एक से अधिक सीटों से चुनाव लड़ने को रोकने के लिए नियम बनाया जाए। कहने का अर्थ यह है कि भारतीय राजनीति में एक व्यक्ति-एक सीट के नियम की बात काफी समय से हो रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा सका है। ऐसे में, आज जब पुनः चुनाव आयोग ने कानून मंत्रालय को इस संबंध में प्रस्ताव भेजा है, तो देखना होगा कि इस पर सरकार क्या कदम उठाती है। कानून मंत्री किरण रिजीजू हाल ही में कह चुके हैं कि, 'बदले समय व स्थिति की मांग है कि कुछ चुनावी कानूनों को ओवरहॉल कर दिया जाएग जिनमें पर्याप्त पारदतशता व जवाबदेही सुनिश्चित करने का अभाव है। मैं चुनाव आयोग से विस्तृत चर्चा कर रहा हूं यह जानने के लिए कि जनप्रतिनिधि कानून व अन्य चुनावी नियमों में क्या मुख्य परिवर्तन किये जाएं।' आंकड़ों के मुताबिक, 2014 के लोक सभा चुनाव में 30 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे, जो कि 2019 में दुगुनी वृद्धि के साथ 60 हजार करोड़ रु पये हो गए। 1998 से लेकर 2019 के बीच लगभग 20 साल की अवधि में चुनाव खर्च में 6 से 7 गुना की बढ़ोतरी हुई है। स्पष्ट है कि भारत में चुनाव एक बहुत ही खर्चीली प्रक्रिया है। जब कोई उम्मीदवार दो सीटों से चुनाव लड़कर दोनों जगह से जीतने के बाद एक सीट छोड़ देता है, तो वहां उपचुनाव करवाना पड़ता है जो चुनाव प्रक्रिया के खर्च में अनावश्यक वृद्धि का कारण तो बनता ही है, साथ ही मतदाताओं में चुनाव के प्रति अरुचि भी पैदा होती है। चुनाव आयोग ने 2004 में इस संबंध में केंद्र को भेजे अपने प्रस्ताव में यही तर्क देते हुए इसे धन का दुरु पयोग बताया था। साथ ही, इस स्थिति के मद्देनजर सीट छोड़ने वाले निर्वाचित उम्मीदवार को सरकार के खाते में एक निश्चित रकम जमा करने का नियम बनाने की सिफारिश भी तब चुनाव आयोग द्वारा की गई थी। मगर धरातल पर कुछ भी नहीं हुआ।

एक व्यक्ति-एक सीट के विरोध में तर्क यह दिया जाता है कि ऐसा करने से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के 'व्यापक विकल्पों' के अधिकार का उल्लंघन होगा तथा राजनीति में उम्मीदवारों की कमी हो सकती है। विचार करें तो यह तर्क पूरी तरह से बेदम प्रतीत होता हैग क्योंकि जब लोकतंत्र में सर्वोपरि मानी जाने वाली जनता को चुनाव के दौरान एक से अधिक क्षेत्र में मतदान करने का अधिकार नहीं है, तब किसी उम्मीदवार के लिए एकाधिक सीटों से लड़ने का अधिकार कैसे हो सकता है? असल बात तो यह है कि इस तरह के तर्क की ओट में नेता दो सीट से लड़ने की अपनी अनुचित सुविधा को बचाए रखना चाहते हैं। वास्तव में, लंबे समय से चर्चा में बने रहने के बावजूद यदि एक व्यक्ति-एक सीट का नियम अब तक व्यवहार में नहीं आ पाया है, तो इसके पीछे कारण यही है कि देश के लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता एक से अधिक सीट पर चुनाव लड़ने के नियम का लाभ लेते रहे हैं। इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और सोनिया गांधी तक एक से अधिक सीटों से चुनाव लड़ चुके हैं। अन्य दलों में भी यही स्थिति है। एकाधिक सीटों से निर्वाचन का नियम पूरी तरह से नेताओं के राजनीतिक स्वार्थों को साधने का जरिया भर है। उचित होगा कि मोदी सरकार चुनाव आयोग के उक्त प्रस्ताव पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति-एक सीट के नियम को अमल में लाकर अन्य राजनीतिक दलों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करे।

दीपावली पर सुबह से लेकर रात तक की जरूरी बातें

ब्रह्म पुराण के अनुसार दिवाली पर अर्धरात्रि के समय महालक्ष्मीजी सद्ग्रहस्थों के घरों में विचरण करती हैं। इस दिन घर-बाहर को साफ-सुथरा कर सजाया-संवारा जाता है। दीपावली मनाने से श्री लक्ष्मीजी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से सद्गृहस्थ के घर निवास करती हैं। दीपावली धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा महालक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भाईदूज-इन 5 पर्वों का मिलन है। मंगल पर्व दीपावली के दिन सुबह से लेकर रात तक क्या करें कि महालक्ष्मी का घर में स्थायी निवास हो जाए.आइए जानें विस्तार से. दीपावली के पूजन की संपूर्ण विधियां दी गई हैं। फिर भी संक्षेप में 25 बिंदुओं से जानें कि क्या करें इस दिन -

- प्रातः स्नानादि से निवृत्त हो स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- अब निम्न संकल्प से दिनभर उपवास रहें-
  मम
  सर्वापच्छांतिपूर्वकदीर्घायुष्यबलपुष्टिनैरुज्यादि
  -
  सकलशुभफल प्राप्त्यर्थं

  गजतुरगरथराज्यैश्वर्यादिसकलसम्पदामुत्तरोत्तराभिवृद्ध्यर्थं इंद्रकुबेरसहितश्रीलक्ष्मीपूजनं करिष्ये।
- दिन में पकवान बनाएं या घर सजाएं। बड़ों का आशीर्वाद लें।
- सायंकाल पुनः स्नान करें।
- लक्ष्मीजी के स्वागत की तैयारी में घर की सफाई करके दीवार को चूने अथवा गेरू से पोतकर लक्ष्मीजी का चित्र बनाएं। (लक्ष्मीजी का चित्र भी लगाया जा सकता है।)
- भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन, कदली फल, पापड़ तथा अनेक प्रकार की मिठाइयां बनाएं।
- लक्ष्मीजी के चित्र के सामने एक चौकी रखकर उस पर मौली बांधें।
- इस पर गणेशजी की मिट्टी की मूर्ति स्थापित करें।
- फिर गणेशजी को तिलक कर पूजा करें।
- अब चौकी पर छः चौमुखे व 26 छोटे दीपक रखें।
- इनमें तेल-बत्ती डालकर जलाएं।
- फिर जल, मौली, चावल, फल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से विधिवत पूजन करें।
- पूजा के बाद एक-एक दीपक घर के कोनों में जलाकर रखें।
- एक छोटा तथा एक चौमुखा दीपक रखकर निम्न मंत्र से लक्ष्मीजी का पूजन करें-
  नमस्ते सर्वदेवानां वरदासि हरेः प्रिया।
  या गतिस्त्वत्प्रपन्नानां सा मे भूयात्वदर्चनात?
  साथ ही निम्न मंत्र से इंद्र का ध्यान करें-
  ऐरावतसमारूढो वज्रहस्तो महाबलः।
  शतयज्ञाधिपो देवस्तमा इंद्राय ते नमः?
  पश्चात निम्न मंत्र से कुबेर का ध्यान करें-
  धनदाय नमस्तुभ्यं निधिपद्माधिपाय च।
  भवंतु त्वत्प्रसादान्मे धनधान्यादिसम्पदः?
- इस पूजन के पश्चात तिजोरी में गणेशजी तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति रखकर विधिवत पूजा करें।
- तत्पश्चात इच्छानुसार घर की बहू-बेटियों को रुपए दें।
- लक्ष्मी पूजन रात के बारह बजे करने का विशेष महत्व है।
- इसके लिए एक पाट पर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर एक जोड़ी लक्ष्मी तथा गणेशजी की मूर्ति रखें।
- समीप ही एक सौ रुपए, सवा सेर चावल, गुड़, चार केले, मूली, हरी ग्वार की फली तथा पांच लड्डू रखकर लक्ष्मी-गणेश का पूजन करें।
- उन्हें लड्डुओं से भोग लगाएं।
- दीपकों का काजल सभी स्त्री-पुरुष आंखों में लगाएं।
- फिर रात्रि जागरण कर गोपाल सहस्रनाम पाठ करें।
- व्यावसायिक प्रतिष्ठान, गद्दी की भी विधिपूर्वक पूजा करें।
- रात को बारह बजे दीपावली पूजन के उपरान्त चूने या गेरू में रुई भिगोकर चक्की, चूल्हा, सिल तथा छाज (सूप) पर तिलक करें।
- दूसरे दिन प्रातःकाल चार बजे उठकर पुराने छाज में कूड़ा रखकर उसे दूर फेंकने के लिए ले जाते समय कहें - लक्ष्मी-लक्ष्मी आओ, दरिद्र-दरिद्र जाओ।

दीपावली की रात इन जगहों पर जरूर रखें दीप जलाकर

दीपावली पर अकसर द्वार, तुलसी या पूजा स्थान पर दीपक जलाकर रखे जाते हैं। हालांकि कुछ ऐसी भी जगहें हैं जहां पर कुछ लोग ही दीये जलाकर रखते होंगे। आओ जानते हैं कि दीवाली की रा?त को कितनी जगहों पर दीपक जलाकर रखना चाहिए। जानिए इससे मिलने वाला लाभ के बारे में भी।

1. दिपावली के दिन लक्ष?मी की पूजा करने के लिए एक दीपक जलाया जाता है। वह दीपक पीतल या स्टील का होता है। यह सात मुखी दीपक होता है जिससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है।
2. कहते हैं कि दीपावली की रात को देवालय में गाय के दूध का शुद्ध घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे तुरंत ही कर्ज से छुटकारा मिलता है और आर्थिक तंगी दूर हो जाती है।
3. दीपावली की रात को तीसरा दीया तुलसी के पास जलाया जाता है। आपके घर में तुलसी नहीं है तो और किसी पौधे के पास यह दीया रख सकते हैं। इसे भगवान विष्णु और माता तुली प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।
4. चौथा दीपक दरवाजे के बाहर दहलीज़ के दाएं और बाएं रखा जाता है और बनाई गई रांगोली के बीच में भी रखते हैं। इसे धन की मनोकामना पूर्ण होती है।
5. पांचवां दीया पीपल के पेड़ के नीचे रखकर आते हैं। इससे यम और शनि के दोष नहीं लगते हैं। साथ ही इससे धन की समस्या भी दूर होती है।
6. छठा दीपक पास के किसी मंदिर में रखना जरूरी होता है। इससे सभी देवी और देवता प्रसन्न होते हैं।
7. सातवां दीपक कचरा रखने वाले स्थान पर रखते हैं। इससे घर की नाकारात्मकता बाहर निकल जाती है।
8. आठवां बाथरूम के कोने में रखते हैं। इससे राहु और चंद्र के दोष समाप्त हो जाते हैं।
9. नौवां दीपक मुंडेर पर या आपके घर में गैलरी हो तो वहां रखते हैं।
10. दसवां घर की दिवारों पर की मुंडेर पर या बॉउंड्रीवाल पर रखते हैं।

अज्ञान पर ज्ञान की विजय का उत्सव दीपावली

दिवाली, जिसे संपूर्ण विश्व में प्रकाश के त्यौहार के रूप में जाना जाता है, बुराई पर अच्छाई की, अंधकार पर प्रकाश की तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का त्यौहार है। आज के दिन घरों में रोशनी न केवल सजावट के लिए होती है,किंतु यह जीवन कथा सत्य को भी अभिव्यक्त करती है। प्रकाश अंधकार को मिटा देता है, और जब ज्ञान के प्रकाश से आपके अंदर का अंधकार मिट जाता है, आप में अच्छाई बुराई पर विजय प्राप्त कर लेती हैं।

दिवाली मुख्यतः प्रत्येक हृदय में ज्ञान के प्रकाश को प्रज्वलित करने के लिए मनाई जाती है, प्रत्येक घर में जीवन, प्रत्येक मुख पर मुस्कान लाने के लिए मनाई जाती है।

दिवाली शब्द दीपावली का लघु रूप है, जिस का शाब्दिक अर्थ है प्रकाश की पंक्ति। जीवन के बहुत से पहलुओं तथा स्तर होते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप उन सभी पर प्रकाश डालें क्योंकि यदि आपके जीवन का एक भी पहलू अंधकार मय होगा तो, आपका जीवन कभी भी पूर्णता अभिव्यक्त नहीं हो सकेगा। इसलिए दिवाली में दीपों की पंक्तियां प्रज्वलित की जाती है कि आपको ध्यान रहे कि आपके जीवन के प्रत्येक पहलू को आपके ध्यान की तथा ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता है।

आपके द्वारा प्रज्वलित प्रत्येक दीप, सदगुण का प्रतीक है।प्रत्येक मनुष्य में सद्गुण होते हैं। कुछ में धैर्य होता है, कुछ में प्रेम, शक्ति, उदारताः अन्य में लोगों को संगठित करने की क्षमता होती है। आप में स्थित प्रकट मूल्य दिए के समान है।जैसे ही वह प्रज्ज्वलित हो जाएं,जागृत हो जाएं,दीवाली है।

केवल एक ही दीप का प्रज्वलित कर संतुष्ट न हो, हजार दीप प्रज्वलित करें। यदि आप में सेवा का भाव है, केवल उससे ही संतुष्ट न हो, अपने में ज्ञान का दीप जलाएं, ज्ञान अर्जित करें। अपने अस्तित्व के सभी पहलुओं को प्रकाशित करें। दिवाली का एक और गुण रहस्य पटाखों के फूटने में है। जीवन में आप कई बार पटाखों के समान होते हैं, अपनी दबी हुई भावनाओं, हताशा तथा क्रोध के साथ फूट पढ़ने के लिए तैयार। जब आप अपने राग-द्वेष, घृणा को दबाये रखते हैं फूट पढ़ने की सीमा पर पहुंच जाता है। पटाखे फोड़ने की क्रिया का प्रयोग हमारे पूर्वजों द्वारा, लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति देने के लिए, एक मनोवैज्ञानिक अभ्यास के रूप में किया गया। जब आप बाहर विस्फोट देखते हैं तो आप अपने अंदर भी वैसी सम्वेदनाओं का अनुभव करते हैं। विस्फोट के साथ बहुत सा प्रकाश निकलता है। जब आप अपनी दबी हुई भावनाओं से मुक्त होते हैं तब आप खाली हो जाते हैं तथा अपने ज्ञान के प्रकाश का उदय होता है। ज्ञान की सभी जगह आवश्यकता है। यदि परिवार का एक भी व्यक्ति अंधकार में है,आप खुश नहीं रह सकते। अतः आप को अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य में ज्ञान का प्रकाश स्थापित करना होगा। इससे समाज के प्रत्येक सदस्य तक ले जाएं, पृथ्वी के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं। जब सच्चा ज्ञान उदित होता है, उत्सव होता है। अधिकतर उत्सव में हम अपनी सजगता अथवा एकाग्रता को देते हैं।उत्सव में सजगता बनाए रखने के लिए, हमारे ऋषि यों ने प्रत्येक उत्सव को पवित्रता तथा पूजा विधियों से जोड़ दिया है। इसलिए दिवाली भी पूजा का समय है। दिवाली का आध्यात्मिक पहलू, उत्सव में गांभीर्य लाता है। प्रत्येक उत्सव में आध्यात्म होना चाहिए क्योंकि आध्यात्म से हीन उत्सव असत ही होता है।

कैसे करते थे हमारे पूर्वज महालक्ष्मी का आह्वान

पद्मानने पद्मिनी पद्मपत्रे पद्मप्रिये
पद्मदलायताक्षि विश्वप्रिये विश्वमनोनुकूले
त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधस्त्व।।
हे लक्ष्मी देवी, आप कमलमुखी, कमलपुष्प पर विराजमान,
कमल दल के समान नेत्रों वाली
कमल पुष्पों को पसंद करने वाली हैं।
सृष्टि के सभी जीव आपकी कृपा की कामना करते हैं,
आप सबको मनोनुकूल फल देने वाली हैं।
आपके चरण सदैव मेरे हृदय में स्थित हों।

विपुल ऐश्वर्य, सौभाग्य, समृद्धि और वैभव की अधिष्ठात्री देवी श्री महालक्ष्मी का पूजन, अर्चन, वंदन स्तवन का पर्व है दीपावली। दीपावली के अगणित दीपों के प्रकाश में विष्णुप्रिया महालक्ष्मी का आह्वान किया जाता है।

अनुपम सौंदर्य और आरोग्य को देने वाली श्री महालक्ष्मी का दीपोत्सव की उजली बेला में आगमन भला कौन नहीं चाहेगा? हमारी संस्कृति में इस पर्व को अति विशिष्ट स्थान प्राप्त है और इस पर्व में महालक्ष्मी का महत्व अतुलनीय है। समुद्र मंथन के पश्चात श्री लक्ष्मी अवतरण से ही इस दैदीप्यमान त्योहार की कहानी आरंभ होती है। ऋग्वेद के दूसरे अध्याय के छठे सूक्त में आनंद कर्दम ऋषि द्वारा श्री देवी को समर्पित वाक्यांश मिलता है। इन्हीं पवित्र पंक्तियों को भारतीय जनमानस ने मंत्र के रूप में स्वीकारा है।

ऊँ हिरण्य वर्णा हरिणीं सुवर्णरजस्त्राम
चंद्रा हिरण्यमयी लक्ष्मी जात वेदो म्आवह। अर्थात हरित और हिरण्यवर्णा, हार, स्वर्ण और रजत सुशोभित चंद्र और हिरण्य आभा देवी लक्ष्मी का, हे अग्नि, अब तुम करो आह्वान
इसी मंत्र की आगे सुंदर पंक्तियां हैं
'तामं आवह जात वेदो लक्ष्मी मनपगामिनीम,
यस्या हिरण्यं विदेयं गामश्वं पुरुषानहम
अश्वपूर्वा रथमध्यां हस्तिनाद प्रमोदिनीम,
श्रियं देवी मुपव्हयें श्रीर्मा देवी जुषताम।।
इसका काव्यात्मक अर्थ किया जाए तो इस तरह होगा कि -
'करो आह्वान हमारे गृह अनल, उस देवी श्री का अब, वास हो जिसका सदा और जो दे धन प्रचुर, गो, अश्व, सेवक, सुत सभी, अश्व जिनके पूर्वतर, मध्यस्थ रथ, हस्ति रव से प्रबोधित पथ, देवी श्री का आगमन हो, यही प्रार्थना है!

दीपोत्सव का समापन दिवस है भाईदूज

शास्त्रों के अनुसार भैयादूज अथवा यम द्वितीया को मृत्यु के देवता यमराज का पूजन किया जाता है। इस दिन बहनें भाई को अपने घर आमंत्रित कर अथवा सायं उनके घर जाकर उन्हें तिलक करती हैं और भोजन कराती हैं। ब्रजमंडल में इस दिन बहनें भाई के साथ यमुना स्नान करती हैं, जिसका विशेष महत्व बताया गया है। भाई के कल्याण और वृद्धि की इच्छा से बहने इस दिन कुछ अन्य मांगलिक विधान भी करती हैं। यमुना तट पर भाई-बहन का समवेत भोजन कल्याणकारी माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने जाते हैं। उन्हीं का अनुकरण करते हुए भारतीय भ्रातृ परम्परा अपनी बहनों से मिलती है और उनका यथेष्ट सम्मान पूजनादि कर उनसे आशीर्वाद रूप तिलक प्राप्त कर कृतकृत्य होती हैं। बहनों को इस दिन नित्य कृत्य से निवृत्त हो अपने भाई के दीर्घ जीवन, कल्याण एवं उत्कर्ष हेतु तथा स्वयं के सौभाग्य के लिए अक्षत (चावल) कुंकुमादि से अष्टदल कमल बनाकर इस व्रत का संकल्प कर मृत्यु के देवता यमराज की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। इसके पश्चात यमभगिनी यमुना, चित्रगुप्त और यमदूतों की पूजा करनी चाहिए। तदंतर भाई के तिलक लगाकर भोजन कराना चाहिए। इस विधि के संपन्न होने तक दोनों को व्रती रहना चाहिए।

दीपोत्सव का समापन दिवस है कार्तिक शुक्ल द्वितीय, जिसे भैयादूज कहा जाता है। इस पर्व के संबंध में पौराणिक कथा इस प्रकार मिलती है। सूर्य की संज्ञा से दो संतानें थीं- पुत्र यमराज तथा पुत्री यमुना। संज्ञा सूर्य का तेज सहन न कर पाने के कारण अपनी छायामूर्ति का निर्माण कर उसे ही अपने पुत्र-पुत्री को सौंपकर वहां से चली गई। छाया को यम और यमुना से किसी प्रकार का लगाव न था, किंतु यम और यमुना में बहुत प्रेम था। यमुना अपने भाई यमराज के यहां प्रायः जाती और उनके सुख-दुख की बातें पूछा करती। यमुना यमराज को अपने घर पर आने के लिए कहती, किंतु व्यस्तता तथा दायित्व बोझ के कारण वे उसके घर न जा पाते थे। एक बार कार्तिक शुक्ल द्वितीय को यमराज अपनी बहन यमुना के घर अचानक जा पहुंचे। बहन यमुना ने अपने सहोदर भाई को बड़ा आदर-सत्कार किया। विविध व्यंजन बनाकर उन्हें भोजन कराया तथा भाल पर तिलक लगाया। यमराज अपनी बहन से बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने यमुना को विधिव भेंट समर्पित की। जब वे वहां से चलने लगे, तब उन्होंने यमुना से कोई भी मनोवांछित वर मांगने का अनुरोध किया। यमुना ने उनके आग्रह को देखकर कहा- भैया! यदि आप मुझे वर देना ही चाहते हैं तो यही वर दीजिए कि आज के दिन प्रतिवर्ष आप मेरे यहां आया करेंगे और मेरा आतिथ्य स्वीकार किया करेंगे। इसी प्रकार जो भाई अपनी बहन के घर जाकर उसका आतिथ्य स्वीकार करे तथा उसे भेंट दें, उसकी सब अभिलाषाएं आप पूर्ण किया करें एवं उसे आपका भय न हो। यमुना की प्रार्थना को यमराज ने स्वीकार कर लिया। तभी से बहन-भाई का यह त्योहार मनाया जाने लगा। वस्तुतः इस त्योहार का मुख्य उद्देश्य है भाई-बहन के मध्य सौमनस्य और सद्भावना का पावन प्रवाह अनवरत प्रवाहित रखना तथा एक-दूसरे के प्रति निष्कपट प्रेम को प्रोत्साहित करना है। इस प्रकार 'दीपोत्सव-पर्व' का धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व अनुपम है।

दिवाली पर शेयर बाजारों में एक घंटे मुहूर्त ट्रेडिंग होगी

नई दिल्ली ।

हिंदू संवत वर्ष 2079 की शुरुआत के पहले दिन दीपावली पर सोमवार को प्रमुख शेयर बाजार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में एक घंटे का विशेष कारोबारी सेशन 'मुहूर्त ट्रेडिंग' होगा। शेयर बाजारों में दिवाली के दिन भले ही छुट्टी रहती है, लेकिन इस दिन बाजार एक घंटे के लिए खुलता है। दोनों शेयर बाजारों ने अलग-अलग सर्कुलर में बताया कि यह सांकेतिक कारोबारी सेशन शाम को 6:15 बजे से 7:15 बजे के बीच होगा। ऐसी मान्यता है कि 'मुहूर्त' के दौरान लेन-देन करना शुभ होता है और यह वित्तीय समृद्धि लाता है। मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान शेयर के अलावा जिंस वायदा, मुद्रा वायदा, शेयर वायदा एवं विकल्प जैसे क्षेत्रों में भी कारोबार होगा। बाजार में विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार में धारणा सकारात्मक है और विभिन्न क्षेत्रों में खरीदारी हो रही है। माना जाता है कि इस सेशन के दौरान खरीदारी करने पर निवेशक को सालभर लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि यह सत्र केवल एक घंटे का है इसलिए नए कारोबारियों को इस दौरान सतर्कता बरतनी

चाहिए क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव आता रहता है। संवत 2078 के दौरान भारतीय शेयर बाजारों ने वैश्विक बाजारों की तुलना में कहीं अच्छा प्रदर्शन किया था जो संवत 2079 में भी जारी रहने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र और राजस्थान में पेट्रोल-डीजल महंगा

- ब्रेंट क्रूड 1.12 डॉलर महंगा होकर 93.50 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शे निवार को मामूली बदलाव देखने को मिला है। ब्रेंट क्रूड 1.12 डॉलर महंगा होकर 93.50 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 0.54 डॉलर की बढ़त के साथ 85.05 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। इधर शनिवार को सरकारी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। राजस्थान में 0.96 रुपए बढ़कर पेट्रोल 109.03 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.87 रुपए महंगा होकर 94.22 रुपए पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 1.01 रुपए महंगा होकर 106.97 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.97 रुपए की तेजी के साथ 93.46 रुपए का हो गया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में भी पेट्रोल 0.44 रुपए बढ़कर 103.42 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.43 महंगा होकर 96.39 रुपए पर पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश, गुजरात व झारखंड में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में थोड़ी तेजी आई है। उधर बिहार और मध्य प्रदेश में ईंधन की कीमतें कुछ कम हुई हैं. देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

रिलायंस फाइनेंशियल सर्विस के लिए अलग यूनिट बनाएगी

नई दिल्ली । देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने फाइनेंशियल सर्विस के लिए एक अलग यूनिट बनाने का ऐलान किया है। इसके बाद फाइनेंशियल सर्विसेज से जुड़े कारोबार को स्टॉक पर लिस्ट किया गया है। अभी तक रिलायंस के फाइनेंसियल से जुड़े बिजनेस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट से कारोबार कर रहा है जिसे अब जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के नाम से एक अलग यूनिट बना दिया जाएगा। आंकड़े के मुताबिक रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस का मार्च 2022 तक 1,387 रुपए है। यह फाइनेंशियल सर्विसेज के कुल टर्नओवर का 0.3 प्रतिशत के बराबर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के बयान के मुताबिक आरआईएल के शेयरहोल्डर्स को हर शेयर के बदल जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का एक शेयर मिलेगा। नया जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ग्राहकों और व्यापारियों को पूंजी की आपूर्ति करेगा।

जल्द देश में लांच हो सकती हैं महिंद्रा की चार सीटर एटम इलेक्ट्रिक कार

मुंबई । वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा काफी दिनों से अपने चार सीटर एटम इलेक्ट्रिक कार की तैयारी कर रही है। इस कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक कार को पहली बार आज से दो साल पहले यानि कि 2020 में ऑटो एक्सपो में दिखाया गया था। अब जाकर इसकी टेस्टिंग शुरू हुई है, जिससे इसके कुछ फीचर्स लीक हुए हैं। इससे उम्मीद की जा रही है कि महिंद्रा जल्द ही अपनी नई अल्ट्रा कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक कार को लांच करेगी। लीक हुई जानकारी के मुताबिक, एटम इलेक्ट्रिक कार दो बैटरी पैक और चार वेरिएंट्स के साथ लाई जा सकती है। इसके वेरिएंट्स में के1,के2, के3 और के 4 होगा। इस कारण के1 औ के2 वेरिएंट में 7.4 किलोवॉटप्रतिघंटा का 144 एएच बैटरी पैक देखने को मिल सकता है, जबकि के3 और के 4 वेरिएंट में 11.1 किलोवॉटप्रतिघंटा का 216 एएच बैटरी पैक देखा जा सकता है। वहीं के1 और के 2 वेरिएंट्स सिंगल चार्ज 80 किलोमीटर की रेंज दे सकती है। वहीं, के3 और के 4 वेरिएंट्स को 100 किमी की रेंज देने के लिए डिजाइन किया जा सकता है। इसमें नई ग्रिल, प्रमुख हेडलैम्प्स, बड़ी विंडस्क्रीन और खिड़कियां शामिल की जा सकती है। वहीं, बाकी फीचर्स के लिए फ्यूचरिस्टिक लुक में पहिये, बॉक्सी डिज़ाइन और ब्लैक-आउट पिलर्स दिए जा सकते हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक का शुद्ध लाभ 27 प्रतिशत बढ़कर 2,581 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली, निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ करीब 27 फीसदी बढ़कर 2,581 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसे 2,032 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। बैंक ने शेयर बाजारों को अपने तिमाही नतीजे की जानकारी देते हुए कहा कि जुलाई-सितंबर के बीच उसकी कुल आय बढ़कर 10,047 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष 8,408 करोड़ रुपये थी। वहीं बैंक की शुद्ध ब्याज आय 4,021 करोड़ रुपये से 27 फीसदी बढ़कर 5,099 करोड़ रुपये हो गई। समीक्षाधीन तिमाही के लिए उसका शुद्ध ब्याज मार्जिन 5.17 फीसदी था। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मामले में बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर सकल अग्रिम का 2.08 फीसदी रहीं जो एक वर्ष पहले 3.19 फीसदी थीं। शुद्ध एनपीए भी 1.06 फीसदी से घटकर 0.55 फीसदी हो गया। समेकित आधार पर, 2022-23 की दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 21 फीसदी बढ़कर 3,608 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 2,989 करोड़ रुपये था।

एसबीआई का दिवाली तोहफा, एफडी पर बढ़ाई ब्याज दरें

- बढ़ी हुई ब्याज दरें 22.10.2022 से लागू

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख बेंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने ग्राहकों को दिवाली का तोहफा दिया है। एसबीआई में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की दरों में 80 आधार अंकों तक की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई ब्याज दरें 22.10.2022 से लागू हो गई हैं। यह बढ़ोतरी रिटेल टर्म डिपाजिट के लिए है, मतलब कि यदि कोई दो करोड़ रुपए से कम की एफडी कराता है, तभी उसे फायदा होगा। एसबीआई के अनुसार 211 दिन से एक वर्ष तक की अवधि के लिए एफडी कराने पर अब 5.50 फीसदी का ब्याज मिलेगा। पहले इस अवधि के लिए 4.70 फीसदी का ब्याज दिया जा रहा है। यदि कोई वरिष्ठ नागरिक इस अवधि के लिए एफडी कराते हैं तो उन्हें अब 6.00 फीसदी का ब्याज मिलेगा। पहले इस अवधि के लिए 5.20 फीसदी का ब्याज दिया जाता था। बैंक 180 दिन से 210 दिनों की एफडी पर रेट बढ़ाकर 4.55 फीसदी कर दिया है। एक साल से 2 साल से कम के लिए रेट 5.30 फीसदी से बढ़कर 5.45 फीसदी हो गई है। एसबीआई ने 2 साल से 3 साल के कम के लिए एफडी पर ब्याज दरों में इसमें इजाफा कर 6 फीसदी कर दिया है। 3 साल से 5 साल से कम के लिए अब बैंक की एफडी की ब्याज दरें 6.10 हो गई हैं। वहीं 5 साल से 10 तक के लिए ब्याज दरें 6.45 फीसदी हैं। वरिष्ठ नागरिक जिस किसी अवधि के लिए एफडी कराएंगे, उन्हें आम जनता को मिलने वाले ब्याज दर के मुकाबले 50 बेसिस प्वाइंट मतलब कि आधा फीसदी ज्यादा ब्याज दिया जाएगा। यदि वे पांच से 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी कराएंगे तो उन्हें आम जनता से 80 बेसिस प्वाइंट मतलब कि 6.90 फीसदी का ब्याज मिलेगा।

इस वर्ष दिवाली की खरीदी देश भर में एक लाख 50 हजार करोड़ होने का अनुमान: कैट

- 75,000 करोड़ रुपए से अधिक का चीन को हुआ नुकसान

नई दिल्ली ।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस वर्ष दिवाली त्यौहार की खरीदी का देश भर में एक लाख 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान जताया है। शुक्रवार को कारोबार में 60,000 करोड़ रुपए की वृद्धि को बहुत संतोषजनक' और 'उत्साहजनक' करार दिया गया है। दिवाली की खरीदारी का मौसम पहली नवरात्रि से शुरू होकर तुलसी विवाह तक माना जाता है, जिसे इस साल 5 नवंबर के लिए तय किया गया है। कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के अभियान का देश भर के उपभोक्ताओं पर बहुत प्रभाव पड़ा है और ग्राहक अब बाजारों में केवल भारतीय उत्पादों की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि देश भर के बाजारों में चीन से बने दिवाली से जुड़े सामान लगभग नदारद हैं। भारतीय आयातकों ने इस साल चीन से दिवाली से संबंधित किसी भी वस्तु का आयात नहीं किया है, जिससे चीन को लगभग 75,000 करोड़

रुपए के व्यापार का सीधा नुकसान हुआ है। 2020 में चीन के गलवान घाटी पर आक्रमण के बाद देश भर के व्यापारियों ने चीनी सामानों के बहिष्कार का संकल्प लिया और इसके अभूतपूर्व परिणाम सामने आए हैं।

कैट ने देश भर के व्यापारियों से त्योहार की खरीदारी के लिए इस दिवाली को अपनी दिवाली भारतीय दिवाली के रूप में मनाने का आह्वान किया है, उपभोक्ताओं का मुख्य जोर घर की साज-सज्जा की वस्तुओं, दीपावली पूजा के सामान जिनमें मिट्टी के दीये, देवी-देवता, वाल हैंगिंग, हस्तशिल्प की वस्तुएं, शुभ-लाभ, पारंपरिक सौभाग्य आकर्षण जैसे ओम प्रतीक, देवी लक्ष्मी और श्री गणेश जी की पूजा की वस्तुएं शामिल हैं, घर की साज-सज्जा की वस्तुएं जो देश भर के बाजारों में स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और कुशल कलाकारों द्वारा बनाई गई वस्तुओं को बड़ा व्यापार देगी! इससे आने वाले समय में रोजगार बढ़ने की भी संभावना है।

एसईएल का शेयर पिछले छह महीने में 43 फीसदी गिरा

- छह महीने पहले 1237 पर ट्रेड कर रहा शेयर गिरकर 699 रुपए पर आ गया, अब ट्रेडिंग ही बंद

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में स्मॉल कैप पैनी स्टॉक्स में हमेशा जोखिम रहता है। ये शेयर आपके कुछ हजार रुपए के निवेश को करोड़ों में बदल सकते हैं तो करोड़ों को साफ भी कर सकते हैं। हम ऐसे ही एक शेयर की बात कर रहे हैं जिसने एक समय निवेशकों को करोड़पति बनाया और अब गिरावट के कारण उसमें ट्रेडिंग ही बंद कर दी गई। यह यह शेयर है एसईएल मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का। 6 महीने इसमें पैसा लगाने वाले निवेशकों को दिन में तारे दिख गए हैं। ये इस स्टॉक इस दौरान आधे से अधिक लुढ़क गया है। ये शेयर 6 महीने पहले 22 फरवरी 2022 को 1237 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। अब इसकी कीमत गिरकर 699 रुपए पर आ गई है। पिछले 6 महीने में ये शेयर करीब 43 फीसदी गिरा है। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद इसने साल की शुरुआत से अब तक 1602 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में ये शेयर 14500 फीसदी से अधिक बढ़ा है। पिछले साल अक्टूबर की शुरुआत में इस शेयर की कीमत केवल 5 रुपए थी। गिरावट शुरू होने से पहले एसईएल के शेयरों में काफी समय तक केवल अपर सर्किट ही लगता

था। इस साल 9 मई तक ये शेयर लगातार ऊपर जा रहा था। उसके बाद इसमें गिरावट शुरू हुई। 9 मई को शेयर 1235 रुपए पर था और अगले ही महीने यानी जून में 13 जून तक ये 906 रुपए पर पहुंच गया। 11 अगस्त तक ये शेयर 619 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि वहां एक बार फिर इसमें खरीदारी देखने को मिली और ये शेयर उसी महीने 22 तारीख तक ये शेयर 829 रुपए पर चला गया। उसके बाद फिर गिरावट और तेजी का सिलसिला शुरू हुआ। इस शेयर में आखिरी ट्रेडिंग बीएसई पर 14 अक्टूबर को हुई।

पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में कंपनी को 80 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिला था और इसका घाटा 42 करोड़ रुपए था। वहीं इस वित्त वर्ष की जून तिमाही में कंपनी का राजस्व 118 करोड़ रुपए रहे और घाटा बढ़कर 51 करोड़ रुपए हो गया है।

इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नयी दिल्ली।

बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रवर्तन वाली कंपनी इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये कोष जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक दस्तावेज जमा करवाए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस आईपीओ का आकार 2,000-2,500 करोड़ रुपये के बीच हो सकता है। सेबी के पास जमा मसौदा दस्तावेजों के मुताबिक इस निर्गम में 500 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी होंगे और प्रवर्तक एवं शेयरधारक 141,299,422 शेयरों की खुली बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। ओएफएस के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा 89,015,734 शेयरों की बिक्री करेगा जबकि कारमेल पॉइंट इन्वेस्टमेंट इंडिया 39,227,273 शेयर की और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 13,056,415 शेयर की बिक्री करेगा। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई दोनों बाजारों में सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है। इस कंपनी में बैंक ऑफ बड़ौदा की हिस्सेदारी 65 फीसदी है।

अब चांदी के सिक्कों पर गणेश-लक्ष्मी के अलावा दिखेंगे महात्मा गांधी

- आने वाले दिनों में सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर, भगत सिंह वाला चांदी का सिक्का भी देखने को मिलेगा

नई दिल्ली ।

धनतेरस के अवसर पर मेरठ के बाजारों में तरह-तरह के सोना और चांदी के सिक्के बाजार की शोभा बढ़ा रहे हैं। गणेश और लक्ष्मी जी वाले चांदी के सिक्के की खासी मांग है लेकिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर वाला चांदी के सिक्के की मांग सबसे ज्यादा है। सर्राफा कारोबारियों का कहना है कि ये सिक्का देशभक्ति वाला है। दुकानदारों का कहना है कि आने वाले दिनों में सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर, भगत सिंह जैसी महान विभूतियों वाला चांदी का सिक्का देखने को मिलेगा। गणेश-लक्ष्मीजी की तस्वीर वाला चांदी का सिक्का लोग पूजन के लिए खरीद रहे हैं। क्वीन विक्टोरिया वाला चांदी का सिक्का लोग ले जाते हैं लेकिन इस बार अपने देश की महान विभूतियों वाले चांदी का सिक्का बनाकर उन्होंने प्रयास किया है कि इस बार अंग्रेज़ी हुकूमत को याद दिलाने वाले सिक्के की बजाए देशभक्ति वाला क्वाइन लोग गर्व के साथ ले जाएं। दुकानदारों का कहना है कि जब हमारी मुद्रा पर गांधी जी की तस्वीर है तो फिर चांदी के सिक्कों में क्यों नहीं। सर्राफा कारोबारी बताते हैं कि भारत में चांदी के सिक्के का इतिहास पुराना है। सन 1835 में ब्रिटिश सरकार के विलियम का सिक्का छपा था। 1840 में क्वीन विक्टोरिया का सिक्का छपा। 1874 में सम्राट के रुप में क्वीन का सिक्का आया।

1938 में जार्ज का सिक्का आया और फिर 1945 में एक और सिक्का आया था और इन्हीं चांदी के सिक्कों का चलन रहा है। अब गांधी जी क्वीन विक्टोरिया को रिप्लेस करते नजर आ रहे हैं। इन सिक्कों के साथ तरह-तरह के चांदी के गणेश-लक्ष्मी जी की मूर्ति, चांदी के हनुमान जी. चांदी का रामदरबार, चांदी का कलश, चांदी का पूजाघर, चांदी का लोटा, चांदी की थाली, चांदी की कप-प्लेट आदि सर्राफा की दुकानों में उपलब्ध है। अब चांदी के किसी भी सामान की हॉलमार्क टेस्टिंग भी लोग करा सकते हैं। मात्र 235 रुपए में ये टेस्ट होता है। हॉलमार्क टेस्ट कराकर लोग चांदी या सोने के सामान की जांच करा सकते हैं।

सेबी ने बॉम्बे डाइंग, नेस वाडिया पर लगाई दो साल की पाबंदी, 15.75 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया

नई दिल्ली:

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बॉम्बे डाइंग एंड मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड और इसके प्रवर्तकों नुस्ली एन वाडिया, नेस वाडिया और जहांगीर वाडिया को दो साल तक प्रतिभूति बाजारों में लेनदेन करने से रोक दिया है। इसके साथ ही कंपनी के वित्तीय बयानों को गलत तरीके से पेश करने पर कुल 15.75 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। सेबी ने वाडिया समूह की कंपनी स्काल सर्विसेज लिमिटेड और इसके तत्कालीन निदेशक डी एस गगरात, एन एच दतनवाला, शैलेश कार्णिक, आर चंद्रशेखरन और बॉम्बे डाइंग के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी दुर्गेश मेहता पर भी यह पाबंदी और जुर्माना लगाया है। सेबी ने शुक्रवार को पारित इस आदेश में कहा कि जुर्माना भरने के लिए आरोपियों को 45 दिन का वक्त दिया गया है। कुछ शिकायतें मिलने पर सेबी ने 2011-12 तथा 2018-19 की अवधि के लिए बॉम्बे डाइंग एंड मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड को लेकर विस्तृत जांच की थी। इसमें सेबी ने पाया कि ये कंपनियां वित्तीय बयानों को गलत तरीके से पेश करने की योजना में शामिल रही हैं। जांच में पता चला कि ये कंपनियां, बीडीएमसीएल द्वारा स्काल को 2011-12 तथा 2017-18 के बीच फ्लैटों की कथित बिक्री से मिले 2,492.94 करोड़ रुपए और 1,302.20 करोड़ रुपए के मुनाफे को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने और बीडीएमसीएल की वित्तीय जानकारी को गलत तरीके से पेश करने की धोखाधड़ी की योजना में

शामिल थे। नियामक ने कहा कि स्काल का शेयरधारक ढांचा कुछ इस प्रकार से बनाया गया था कि सीधे तौर पर बीडीएमसीएल की इसमें महज 19 फीसदी हिस्सेदारी थी लेकिन स्काल के अन्य शेयरधारकों में अप्रत्यक्ष हिस्सेदारी के जरिए स्काल की पूरी शेयर पूंजी पर उसका पूरा कब्जा था।

खतरे में पड़ी नौकरी, मस्क के आते ही हो सकती है 75 फीसदी ट्विटर कर्मियों की छुट्टी

सैन फ्रांसिस्को ।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की 44 अरब डॉलर की ट्विटर के साथ किया जाने वाला करार चर्चा में है। खबर है कि यदि यह करार पूरा हुआ तो अरबपति मस्क सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर से 75 प्रतिशत कर्मचारियों की छुट्टी कर सकते हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मस्क ने ट्विटर इंक को खरीदने के अपने सौदे में संभावित निवेशकों से कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया कंपनी के 7,500 कर्मचारियों में से लगभग 75 प्रतिशत से छुटकारा पाने की योजना बनाई है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आने वाले महीनों में नौकरी में कटौती की उम्मीद है, चाहे कंपनी का मालिक कोई भी हो। वहीं ट्विटर के मौजूदा प्रबंधन ने अगले साल के अंत तक कंपनी के पेरोल में करीब 80 करोड़ डॉलर की कटौती करने की योजना बनाई है। फिलहाल ट्विटर ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वाशिंगटन पोस्ट ने रिपोर्ट में बताया कि सोशल मीडिया कंपनी के मानव संसाधन कर्मचारियों ने स्टाफ से कहा है कि वे बड़े पैमाने पर छंटनी की योजना नहीं बना रहे थे। लेकिन दस्तावेजों में कर्मचारियों को बाहर निकालने और बुनियादी ढांचे की लागत में कटौती करने की व्यापक योजनाएं देखी जा सकती हैं। लेकिन यह योजना मस्क के कंपनी को खरीदने की पेशकश से पहले की है।

मस्क ने मई में ट्विटर को खरीदने के लिए सौदे से पीछे हटने की कोशिश की थी। उन्होंने कंपनी पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बॉट और स्पैम खातों की संख्या को कम नहीं करने का आरोप लगाया था। इस आरोप से दोनों पक्षों के बीच मुकदमों की एक श्रृंखला शुरू हो गई। वहीं इस महीने की शुरुआत में मस्क ने अपना रुख पलट दिया और कहा कि वह मूल शर्तों पर सौदे को आगे बढ़ाएंगे।

वहीं बुधवार को मस्क ने ट्विटर डील को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने ट्विटर के अधिग्रहण को लेकर कहा कि वे ट्विटर के लिए अधिक पैसे का भुगतान कर रहे हैं, लेकिन लंबी अवधि में सोशल मीडिया कंपनी में विकास की काफी अधिक संभावना है।

मस्क ने टेस्ला की तिमाही अर्निंग कॉल के मौके पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा था कि ट्विटर लंबे समय से कमजोर हुआ है, लेकिन उसमें एक अविश्वसनीय क्षमता है।

दीपावली से पहले देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार 4.50 अरब डॉलर घटकर 528.37 अरब डॉलर पर

मुंबई ।

दीपावली से पहले देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट देखी गई है। 14 अक्टूबर, 2022 को समाप्त सप्ताह में यह 4.50 अरब डॉलर घटकर 528.37 अरब डॉलर पर आ गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी` किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इसके पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 20.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 532.868 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। विदेशी मुद्रा भंडार में इस साल अगस्त के बाद से पहली बार किसी सप्ताह में बढ़ोतरी हुई थी। एक साल पहले अक्टूबर, 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सार्वजे निक उच्च स्तर पर पर पहुंच गया था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले कई हफ्तों से लगातार कम हो रही है। दरअसल तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में डॉलर के मुकाबले तेजी से गिरते रुपए को संभालने के लिए आरबीआई ने इस विदेशी मुद्रा भंडार के एक हिस्से का इस्तेमाल किया है। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, 14 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) 2.828 अरब डॉलर घटकर 468.668 अरब डॉलर रह गईं। एफसीए असल में समग्र भंडार का एक प्रमुख हिस्सा होता है। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। गोल्ड रिजर्व के मूल्य में 7 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान 1.35 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी जबकि 14 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में यह 1.502 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 37.453 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई ने कहा कि स्पेशल ड्राइंग राइट 14.9 करोड़ डॉलर घटकर 17.433 अरब डॉलर रह गया है। वहीं समाप्त हुए सप्ताह में आईएमएफ के पास देश की रिजर्व स्थिति 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.813 अरब डॉलर रह गई।

टी20 विश्व कप में हुआ शानदार आगाज...

न्यूजीलैंड ने डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 89 रन से दी मात

सिडनी (एजेंसी)।

डेवोन कॉनवे की 58 गेंद में नाबाद 92 रन की पारी के बाद टिम साउदी और मिशेल सेंटनर के तीन-तीन विकेट की बदौलत न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के शुरुआती मैच में गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया को 89 रन के बड़े अंतर से शिकस्त देकर अपने अभियान को शानदार तरीके से शुरू किया। इस 31 साल के वामहस्त बल्लेबाज ने अपनी शानदार नाबाद पारी में सात चौके और दो छक्के जड़े जिससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर तीन विकेट पर 200 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

कॉनवे के साथ युवा सलामी बल्लेबाज फिन एलेन (16 गेंद में 42 रन) ने न्यूजीलैंड को आक्रामक शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 25 गेंद में 56 रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को साउदी (2.1 ओवर में छह रन देकर तीन विकेट) ने शुरुआती झटके दिये तो वही सेंटनर (चार ओवर में 31 रन पर तीन विकेट) ने मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाया जिससे टीम 17.1 ओवर 111 रन पर आउट हो गयी। टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह रनों के लिहाज से ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे बड़ी हार है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम अपनी सरजमीं पर 2011 के बाद पहली बार हारी है। साउदी ने पारी के दूसरे ओवर में डेविड वार्नर (पांच रन) को चलता किया। वार्नर पुल शॉट खेलने के प्रयास में गेंद को विकेटों पर मार बैठे। मिशेल मार्श (16 रन) ने इसके बाद कुछ अच्छे शॉट लगाकर ऑस्ट्रेलिया की वापसी करायी लेकिन सेंटनर ने कप्तान केन विलियमसन के हाथों ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच (13 रन) को कैच कराया। इसके तुरंत बाद साउदी ने मार्श को अपना दूसरा शिकार बनया।

सेंटनर ने खतरनाक मार्कस स्टोइनिस (सात रन) और टिम डेविड (11 रन) अपनी चतुराई से आउट किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने की आधी टीम 10.2 ओवर में पवेलियन लौट गयी थी। ग्लेन फिलिप्स ने डाइव लगाकर स्टोइनिस का शानदार कैच लपका तो वही जिमी नीशाम ने डेविड का कैच लिया। लॉकी फर्ग्युसन ने विकेटकीपर मैथ्यू वेड (दो रन) तो वहीं ईश सोढ़ी ने ग्लेन मैक्सवेल (28 रन) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इससे पहले कोनवे ने पारी के दौरान ज्यादा जोखिम उठाने से परहेज किया लेकिन इसका असर रन बनाने की उनकी गति पर नहीं पड़ा। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने पारी के 13वें ओवर में एडम जाम्पा की गेंद को दर्शकों के पास भेज कर अपना अर्धशतक पूरा किया।

वह इस पारी के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डाविड मलान के बाद सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। पारी के आखिरी ओवरों में जिमी नीशाम (13 गेंद में 26 रन) के पास अधिक स्ट्राइक रहा जिससे वह इस प्रारूप में अपना पहला शतक पूरा करने से चूक गया। नीशाम ने पारी की आखिरी गेंद पर हेजलवुड के खिलाफ छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 200 रन तक पहुंचाया। अनुभवी मार्टिन गुप्टिल की जगह टीम में शामिल हुए 23 साल के एलन ने शुरुआती ओवरों में तीन छक्के और पांच चौके लगाकर एक बार फिर साबित किया कि उन्हें इस प्रारूप का भविष्य का सितारा क्यों कहा जा रहा है। उन्होंने दिग्गज मिशेल स्टार्क के शुरुआती ओवर में भी दो चौके और एक छक्का लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिये।

दूसरे ओवर में गेंदबाजी लिए आये टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस के खिलाफ भी एलन ने छक्का लगाया जिससे टीम से इस ओवर में 17 रन बटोर कर आक्रामक आगाज किया। हेजलवुड ने एलन को आउट कर मैच में ऑस्ट्रेलिया की वापसी करायी लेकिन कॉनवे ने फिर विलियमसन (23 रन) के साथ 69 रन की साझेदारी बनायी। आस्ट्रेलिया के लिये हेजलवुड ने दो विकेट और जाम्पा ने एक विकेट झटके।

भारत बनाम पाक मुकाबले से पहले नेट्स पर जमकर पसीना बहा रहे विराट कोहली

ओडेन्से (एजेंसी)।

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत टी20 विश्व कप में अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान से टकराने को बेताब है। करोड़ों प्रशंसक इस मुकाबले को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। भारतीय फैंस के भरोसे पर खरा उतरने के लिए टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली मुकाबले से पहले नेट्स में अभ्यास कर पसीना बहा रहे हैं। इस बड़े टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए विराट कोहली नेट्स में जमकर बल्लेबाजी करते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने खुद अपने इंस्टाग्राम से इस वीडियो को शेयर किया है। वो पिछले कुछ मैचों से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वॉर्मअप मैच में उन्होंने मात्र 19 रन बनाए थे। उस मुकाबले में भारत ने 6 रनों से जीत दर्ज की थी।

इसके अलावा, विराट कोहली ने मोहम्मद शमी के आखिरी ओवर में जबरदस्त कैच पकड़ा था, जिससे ऑस्ट्रेलिया मैच जीतने में नाकामयाब हुआ। विराट वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों अभ्यास मैच में भी नहीं खेले थे। एशिया कप 2022 में विराट कोहली टूर्नामेंट में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ शतक भी जड़ा था। उनका यह शतक साल 2019 के बाद आया था। विराट कोहली टीम इंडिया के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर 11 टी20 मुकाबले खेलें हैं और 64.42 की औसत से 451 रन बनाए हैं। विराट कोहली पाकिस्तान के खिलाफ भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 9 मैचों में 406 रन जड़े हैं। भारतीय टीम पिछले साल मिली 10 विकेट से हार का बदला इस साल जरूर लेना चाहेगी।

शाहीन अफरीदी से कैसे निपटा जाए? सचिन तेंदुलकर ने दिया खास गुरु मंत्र

मेलबर्न (एजेंसी)।

शाहीन शाह अफरीदी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने उनसे निपटने का गुरुमंत्र दिया है। उनका कहना है कि अगर भारतीय बल्लेबाजों को इस प्रतिभाशाली पाकिस्तानी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक बैटिंग करनी है तो उन्हें उसे 'स्ट्रेट' खेलने की कोशिश करनी होगी।

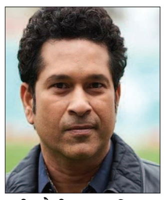

तेंदुलकर पाकिस्तान के वसीम अकरम के खिलाफ सीमित ओवर का क्रिकेट काफी खेल चुके हैं जो सर्वकालिक महान बायें हाथ के तेज गेंदबाजों में शुमार हैं।

तेंदुलकर से जब पूछा गया कि अगर वह अपने खेलने वाले दिनों में शाहीन जैसी प्रतिभा के गेंदबाज के खिलाफ खेले होते तो उन्होंने हंसते हुए कहा, ''मैंने अपना ध्यान इस तरह दिया ही नहीं क्योंकि मैं जानता हूं कि मैं उसका सामना नहीं करूंगा। 'लेकिन उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए कहा, ''शाहीन एक आक्रामक गेंदबाज है और वह हमेशा विकेट झटकने की कोशिश में रहता है। वह गेंद को 'पिच' करता है और गेंद को स्विंग करता है। उसमें बल्लेबाज को आउट करने की क्षमता है। इसलिए उसके खिलाफ रणनीति यही होनी चाहिए कि उसे 'स्ट्रेट' और 'वी' के अंदर खेलो। 'तेंदुलकर ने चेताया कि अगर बल्लेबाज 'ट्रिगर मूवमेंट' (शुरूआती प्रतिक्रियात्मक मूवमेंट' करता है तो जरूरी नहीं है कि इस पर बल्लेबाज शॉट खेलने की प्रतिबद्धता दिखाये।

टी20 विश्वकप: पाकिस्तान को हराकर देश को दीवाली का तोहफा देने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

होबार्ट (एजेंसी)।

आईसीसी विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ कभी ना हारने का रिकॉर्ड पिछली बार टूटने से आहत भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप के अपने पहले सुपर 12 चरण के मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी को हराकर देश को दीवाली का तोहफा देने के इरादे से उतरेगी। इस मैच पर बारिश की गाज गिरने की आशंका जताई जा रही है लेकिन यहां के मौसम के जानकारों के अनुसार पूरा मैच रद्द होने की संभावना कम है।

दोनों देशों के हजारों क्रिकेटप्रेमी इस मैच को देखने यहां जुटे हैं। स्टेडियम के सारे टिकट बिक चुके हैं। रोहित शर्मा और बाबर आजम की टीमों के लिये यह एक आम मैच है लेकिन दोनों देशों के लाखों क्रिकेटप्रेमियों के लिये ' बस यही' मैच है। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में भारतीय टीम आईसीसी टूर्नामेंटों में पाकिस्तान से कभी नहीं हारी और धोनी बार बार कहते आये हैं कि क्रिकेट के मैदान पर बदले जैसा कोई शब्द नहीं होता। लेकिन पिछले एक साल में बहुत कुछ बदल गया।

शाहीन शाह अफरीदी की खतरनाक गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने पहली बार विश्व कप के किसी मैच में भारत को हराया। अफरीदी ने 31 रन देकर तीन विकेट लिये और पाकिस्तान को न सिर्फ जीत दिलाई बल्कि आधुनिक क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाजों को निरूत्तर भी किया। रोहित , विराट कोहली और केएल राहुल दुबई में पिछले साल मिली हार को भूले नहीं होंगे। उस पर एशिया कप खेलने पाकिस्तान नहीं जाने के बीसीसीआई के बयान और अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप से हटने की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की धमकी ने आग में घी डालने का काम किया है। भारतीय टीम के लिये चिंता का सबब टीम संयोजन है।

टीमें: भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, दीपक हुड्डा।

पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, फखर जमां, शान मसूद, मोहम्मद नवाज, खुशदिल शाह, आसिफ अली, हैदर अली, इफ्तिखार अहमद, हारिस रऊफ, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद वसीम, शादाब खान, मोहम्मद हसनैन।

टीम इंडिया में अकेले विराट कोहली पाक के 11 खिलाड़ियों पर भारी, चल निकले तो जीत पक्की

नई दिल्ली । टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सुपर-12 राउंड का आगाज ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड मैच से हो गया है, लेकिन पूरी दुनिया की नजर भारत-पाकिस्तान के बीच रविवार को मेलबोर्न में होने वाले महामुकाबले पर है। भारत के पास एक साल पहले यूएई में मिली हार का बदला लेने का मौका है। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम इंडिया ने पिछले टी20 वर्ल्ड कप से अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में इस बार भी टीम से ऐसे ही चमकदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है। वैसे, तो भारत-पाकिस्तान के मैच में किसी एक टीम को हॉट फेवरेट कहना बेमानी होगा। क्योंकि जब यह दोनों टीमें आमने-सामने हों, तो जीत-हार के आंकड़े धरे रह जाते हैं। हर मुकाबला अपने आप में नया होता है।

एआईएफएफ : अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मर्डेका कप फिर से शुरू करने का प्रस्ताव रखा

कुआलालंपुर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मलेशियाई फुटबॉल महासंघ से मर्डेका कप को फिर से शुरू करने का आग्रह किया है। भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में दो बार उपविजेता रही है। इस साल के शुरू में एआईएफएफ का अध्यक्ष पद संभालने वाले चौबे ने मलेशियाई फुटबॉल महासंघ इस प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने पर काम कर रहा है।

मलेशिया मर्डेका कप का आयोजन करता रहा है। मलेशियाई फुटबॉल के प्रमुख दातो हाजी हमीदीन बिन हाजी मोहम्मद अमीन हैं। चौबे ने पीटीआई से कहा,''मलेशियाई फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष ने मुझसे कहा केवल टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने पर काम कर रहे हैं। पूरी संभावना है कि इसे अगले साल से शुरू कर दिया जाएगा। अगर ऐसा होता है तो उन्होंने कहा कि भारत को इस में भाग लेने के लिए जरूर आमंत्रित किया जाएगा।'

सुपर-12 में बड़ा उल्टफेर कर सकती हैं जिम्बाब्वे, टी20 वर्ल्ड कप में छुपा रुस्तम साबित होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 वर्ल्ड कप के सुपर -12 में धमाकेदार अंदाज में प्रवेश किया है। क्रेग इर्विन की कप्तानी में जिम्बाब्वे ने राउंड वन के आखिरी मैच में स्कॉटलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार सुपर 12 का टिकट कटाया। इस ऐतिहासिक जीत से खिलाड़ियों के साथ जिम्बाब्वे में जश्न का माहौल है। जिम्बाब्वे टीम के मौजूदा तकनीकी डायरेक्टर लालचंद राजपूत कहा कि यह जीत उनकी टीम के लिए टॉनिक का काम करेगी। जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप राउंड वन के पहले मुकाबले में आयरलैंड को 31 रन से हराया था। इसके बाद उसे वेस्टइंडीज ने 31 रन से हराया। लेकिन तीसरे और आखिरी मैच में जिम्बाब्वे ने स्कॉलैंड को 5 विकेट से हराकर टी20 विश्व कप के अगले दौर में जगह बनाई। जिम्बाब्वे के बेहतरीन प्रदर्शन से राजपूत गदगद हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए हमारी तैयारी 3 साल पहले से शुरू हो चुकी थी। अब

हमें मेहनत का फल मिल रहा है। सुपर-12 में पहुंचना हमारे लिए बड़ी बात है। इनदिनों जिम्बाब्वे में खुशी का माहौल है। हम सभी इस ऐतिहासिक जीत से बहुत खुश हैं।जिम्बाब्वे की टीम सुपर-12 के ग्रुप बी में पहुंची है, जहां पहले से भारत, पाकिस्तान,दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और आयरलैंड की टीमें मौजूद हैं। बड़ी टीमों के खिलाफ मुकाबलों को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच लालचंद राजपूत ने कहा, हमारे लिए अब हर मैच अहम होगा। हमें बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिला है। अगर हम अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तब हमारी टीम की रैंकिंग भी बढ़ेगी। मुझे लगता है कि हमारी टीम इस ग्रुप में जरूर उलटफेर करेगी। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम का सुपर 12 में पहला मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ है। दोनों टीमें सोमवार को आमने सामने होंगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से होगा। मौजूदा टूर्नामेंट के शुरुआत में ही दो बार की चैंपियन विंडीज को उलटफेर का शिकार होना पड़ा है। इसके बाद टी 20 क्रिकेट में किसी टीम को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। अपनी कोचिंग में टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड चैंपियन बना चुके लालचंद राजपूत भी इस बात से इत्तेफाक रखते हैं। बकौल राजपूत, टी20 ऐसा फॉर्मेट है, जहां कभी भी किसी भी दिन अच्छा प्रदर्शन कर टीम जीत सकती है। हमारी टीम में फायर ऑफ पॉवर है। कप्तान क्रेग इर्विन और सिंकदर रजा काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी गेंदबाजी काफी अच्छी है। गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। चतारा जो हमारे अनुभवी गेंदबाज हैं वह भी अच्छी लय में हैं।

विश्व कप से पहले कोस्टा रिका के डिफेंडर गालो डोपिंग जांच में पॉजिटिव, प्रतिबंधित

मुंबई। फुटबॉल विश्व कप से चार हफ्ते पहले कोस्टा रिका के डिफेंडर ओरलांडो गालो को डोपिंग जांच में 'एनाबोलिक स्टेराइड' का पॉजिटिव आने के बाद फीफा द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया जिससे वह टूर्नामेंट में नही खेल पायेंगे। फीफा ने शनिवार को कहा कि गालो को 'अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है और सामान्य प्रक्रिया शुरू कर दी है'। फीफा ने मामले की अनुशासनात्मक सुनवाई के लिये कोई समयसीमा नहीं दी है। गालो पर चार साल का प्रतिबंध लग सकता है। वह इस समय कोस्टा रिका के क्लब हेरेडियानो के लिये खेलते हैं। कोस्टा रिका कतर फुटबॉल विश्व कप में अपना पहला मैच 23 सितंबर को स्पेन के खिलाफ खेलेगी। फिर उसे ग्रुप ई में जापान और जर्मनी से खेलना है।

निशानेबाजी स्पर्धा में डांगी ने जीते स्वर्ण और रजत पदक सहित दो मेडल, पदक तालिका में भारत दूसरे स्थान पर

मुंबई। सागर डांगी ने शुक्रवार को काहिरा में आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व चैंपियनशिप में जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भारत के लिए स्वर्ण और रजत पदक जीते। शुक्रवार को इस चैंपियनशिप के नौवें दिन के समापन पर भारत ने चार और पदक जीते, जिनमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है। भारत के पास अब कुल 30 पदक हो गए हैं, जिनमें 11 स्वर्ण, सात रजत और 12 कांस्य पदक शामिल हैं। पदक तालिका में वह चीन के बाद दूसरे स्थान पर है।

बर्मिंघम की गलतियों को ठीक करने में लगी है हॉकी टीम : सुरेंदर

बेंगलुरू (एजेंसी)।

भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर सुरेंदर कुमार ने कहा है कि टीम एफआईएच प्रो लीग से पहले अपनी कमजोरियों को दूर कर लेगी। भारतीय टीम अभी अगले माह भुवनेश्वर में होने वाली प्रो लीग की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीम को बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमण्डल खेलों में हार का सामना करना पड़ा था।

सुरेंदर ने कहा कि टीम ने बर्मिंघम खेलों में अच्छी शुरुआत की थी पर इसके बाद भी उसे फाइनल में खराब प्रदर्शन के कारण हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में अपनी रणनीति पर भी अमल नहीं कर पाये , इस कारण टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा। अब इस शिविर में हम उन गलतियों को सुधारने पर ध्यान देंगे। इसके लिए पिछले मैचों की रिकार्डिंग देखेंगे।

भारतीय टीम प्रो लीग में न्यूजीलैंड और स्पेन से भी खेलेगी। उन्होंने कहा , एफआईएच प्रो लीग 2022-23 से पहले टीम को इन समस्याओं को दूर करना होगा। साथ ही कहा कि हमें न्यूजीलैंड और स्पेन के खिलाफ मैचों पर ध्यान देना करना होगा। इसके साथ ही अपनी गलतियों से सबक लेकर उन्हें ठीक भी करना होगा।

नाराओका से हार के बाद लक्ष्य सेन का डेनमार्क ओपन सफर समाप्त

मुंबई। राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन लक्ष्य सेन डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जापान के कोडाइ नाराओका से हारकर बाहर हो गए। विश्व चैम्पियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता सेन को युवा ओलंपिक 2018 के कांस्य पदक विजेता नाराओका के खिलाफ 17 . 21, 12 . 21 से पराजय झेलनी पड़ी। दोनों अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर पहले भी तीन बार खेल चुके हैं लेकिन दो बार जापानी खिलाड़ी को जीत मिली है। नाराओका ने शुरू ही से मैच में बढत बना ली थी। शुरू में 5 . 2 की बढत बनाने के बाद उन्होंने 13 . 9 की बढत कर ली। सेन ने एक समय 15 . 14 की बढत बना ली लेकिन जापानी प्रतिद्वंद्वी ने तेजी से वापसी की। दूसरे गेम में नाराओका ने सेन को वापसी का कोई मौका ही नहीं दिया।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम पाक जाएगी या नहीं, इस पर बात का यह सही समय नहीं: रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले से पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साफ कर दिया है कि भारतीय टीम एशिया कप 2023 के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। जय शाह बीसीसीआई सचिव होने के साथ एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं। ऐसे में उनके इस बयान से पाकिस्तान काफी आहत हुआ है। पड़ोसी मुल्क के पूर्व क्रिकेटरों समेत पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी इस बयान की निंदा की।

भारतीय पूर्व खिलाड़ी जय शाह के इस बयान के साथ खड़े नजर आए। जब टी20 वर्ल्ड कप में भारत बनाम पाकिस्तान की भिड़ंत से पहले रोहित शर्मा से यह सवाल किया गया तो उन्होंने अपना पल्ला झाड़ लिया। पाकिस्तान के खिलाफ महामुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा से जब एशिया कप 2023 को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि वह यहां टी20 वर्ल्ड कप खेलने आए हैं और वह इसी पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा 'इस मुद्दे पर अभी बात करने का कोई मतलब नहीं है कि भारत पाकिस्तान का दौरा करेगा या नहीं। बीसीसीआई को इसका फैसला करने दो। मैं यहां टी20 वर्ल्ड कप पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। इस दौरान रोहित शर्मा से पाकिस्तानी पत्रकार ने भी एक सवाल किया। पत्रकार ने पूछा कि टी20 वर्ल्ड कप में अभी तक काफी बड़े उलटफेर देखने को मिले हैं दो बार की वर्ल्ड चैंपियन वेस्टइंडीज टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले में टीम इंडिया फेवरेट मानी जा रही है, क्या इस मैच में भी उलटफेर देखने को मिल सकता है?

इस सवाल का जवाब देते हुए रोहित शर्मा ने कहा मैं फेवरेट और अंडर डॉग्स में विश्वास नहीं रखता हूं। मैं मैच डे के बारे में सोचता हूं, अगर उस दिन आप मैदान पर सही माइंड सेट के साथ नहीं पहुंचोगे तो चीजे सही से नहीं होंगी। अगर आप सही माइड सेट के साथ मैदान पर जा रहे हैं और आपको पता है कि आपको क्या करना है तो आपको वह करने को मिलेगा जो आप करना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने रोजगार मेला का किया शुभारंभ, गुजरात के 372 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

अगले 12 महीनों में 10 लाख रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा

गुजरात समेत देश भर में 75,000 नवनियुक्त कर्मियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अक्टूबर को 10 लाख कर्मियों के लिए भर्ती अभियान - रोजगार मेला का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शुभारंभ किया। इस समारोह के दौरान 75,000 नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर नव नियुक्त कर्मियों को संबोधित किया और उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। नव नियुक्त कर्मी विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा आयोजित समारोह में देश के विभिन्न भागों में 50 स्थानों पर उपस्थित थे। इन समारोहों में केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। हमारा देश आजादी के 75 साल पूरे होने का उत्सव मना रहा है। इस अवसर पर 10 लाख नियुक्तियों का लक्ष्य पूरा करने का निर्णय लिया गया है। इसलिए पहले चरण में 22 अक्टूबर, 2022 को 75,000 नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। 10 लाख नियुक्तियों के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रति माह 75000 कर्मियों की नियुक्ति की यह प्रक्रिया अगले एक साल तक जारी रहेगी। युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित करने की प्रधानमंत्री की निरंतर प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार, सभी मंत्रालय और विभाग मिशन मोड में स्वीकृत पदों के विरुद्ध मौजूदा रिक्तियों को भरने की दिशा में काम कर रहे हैं। 10 लाख नौकरियां उपलब्ध कराने का पूरा लक्ष्य अगले 12 महीनों में समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद और वडोदरा में रोजगार मेला समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्री य कपड़ा एवं रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शन जरदोश अहमदाबाद में उर्पा-स्थत थीं। उनके साथ गुजरात सरकार के माननीय कैबिनेट मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, सांसद डॉ. किरीट सोलंकी, अहमदाबाद के महापौर किरीट परमार तथा माननीय विधायक सुरेश पटेल एवं अरविन्द पटेल भी उपस्थित थे। इस मौके पर करीब 155 नव नियुक्ता कर्मी मौजूद थे, जिनमें से 94 नव नियुक्तक कर्मी रेलवे के हैं। केन्द्री य संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान, माननीया सांसद श्रीमती रंजनबेन भट्ट के साथ वडोदरा में कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे। इस अवसर पर वडोदरा के महापौर केयूर रोकाडिया और विधायक योगेश पटेल भी उपस्थित थे। इस मौके पर करीब 147 नव नियुक्ता कर्मी मौजूद थे, जिनमें से 64 नव नियुक्तन कर्मी रेलवे के हैं।

गुजरात सरकार की ऑटो चालकों को दिवाली भेंट, राज्य में कहीं भी चला सकेंगे रिक्शा

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने दिवाली से पहले राज्य के ऑटो रिक्शा चालकों को बड़ी भेंट दी है। अब चालक राज्य में किसी भी शहर में ऑटो रिक्शा चला सकेंगे। राज्य के परिवहन आयुक्त ने यह फैसला 15 अक्टूबर को हुई बैठक में किया गया था और इस संदर्भ में परिपत्र जारी किया है। जिसके मुताबिक ऑटो रिक्शा को गुजरात के किसी भी शहर में चलाने की छूट प्रदान की गई है। हांलाकि इसमें एक खास प्रावधान यह है कि सीएनजी, पेट्रोल और इलेक्ट्रिक बैटरी से चलने वाले ऑटो रिक्शा एक्सप्रेस वे को छोड़ अन्य किसी भी मार्ग चलाए जा सकेंगे। लेकिन डीजल से चलने वाले ऑटो रिक्शा को राज्य में कहीं भी चलाई नहीं जा सकेगी। क्योंकि डीजल संचालित ऑटो रिक्शा के कारण प्रदूषण अधिक होता है। हांलाकि जिन शहरों में सीएनजी स्टेशन नहीं है ऐसे शहरों में डीजल रिक्शा चलाने की छूट होगी। प्रदूषण की रोकथाम के लिए यह फैसला किया गया है। आम तौर पर ऑटो रिक्शा को चार प्रकार की परमिट मिलती है। जिसमें परमिट के क्षेत्र के तौर पर शहर या जिले में ऑटो रिक्शा चलाई जा सकती है। लेकिन अब इस बंधन से सभी ऑटो रिक्शा को मुक्ति प्रदान कर दी गई है। हांलाकि इलेक्ट्रिक बैटरी संचालित ऑटो रिक्शा को पहले से गुजरात में कहीं चलाने की छूट है। अब डीजल को छोड़ पेट्रोल और सीएनजी ऑटो रिक्शा को राज्यभर में कहीं भी चलाने की मंजूरी दे दी गई है।

राहुल गांधी की 'कमा' से तुलना करने पर भड़की कांग्रेस, कहा-दिव्यांग को मत घसीटो राजनीति में

अहमदाबाद। राहुल की गांधी से गुजरात के एक दिव्यांग युवक से तुलना करने पर कांग्रेस ने भाजपा कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि किसी दिव्यांग को राजनीति में मत घसीटो। बता दें कि बीते दिन गुजरात आए मध्य प्रदेश सरकार के शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने अंबाजी में राहुल गांधी की तुलना मानसिक रूप से बीमार कमलेश उर्फ कमा से की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस का 'कमा' गरीबी हटाने का नारा लगाता है, लेकिन रु. 40000 कीमत की टी शर्ट पहनता है। भारत जोड़ने का कहकर कांग्रेस का कमा यात्रा पर निकला है और इस कमा को कोई गले लगाने वाला नहीं मिला तो उस युवती को गले लगा लिया जो भारत तोड़ने की बात करती है और पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाती है। आप को बता दें कि कमलेश उर्फ कमा सुरेन्द्रनगर जिले के एक छोटे से गांव का निवासी है और डाउन सिन्ड्रोम नामक बीमारी से पीड़ित है। कुछ महीनों पहले कमा को कोई जानता नहीं था, लेकिन एक दिन गुजरात के मशहूर लोकगायक कीर्तिदान गढ़वी के एक कार्यक्रम से अचानक वह चर्चा में आ गया। कीर्तिदान गढ़वी के गीत पर कमा अचानक नाचने लगा। जिसे देख कीर्तिदान ने उसका नाम पूछा और अपने पास बुलाया। इसके बाद तो कमा के भाग्य खुल गए और धीरे धीरे उसकी ख्याति बढ़ने लगी। कीर्तिदान गढ़वी ही नहीं अन्य लोकगायकों के मंच पर कमा नजर आने लगा। किसी भी कार्यक्रम में कमा की एन्ट्री किसी मशहूर हस्ती की तरह होने लगी। जिसके लिए उसे तगड़ी फीस भी मिलती है। नए शो रूम के उदघाटन पर कमा को बुलाया जाने लगा। केवल गुजरात ही नहीं बल्कि विदेशों में भी कमा का नाम गूंजने लगा और डॉलर की बारिश होने लगी। कमा के परिजन अचानक बदले इस हालात का श्रेय कीर्तिदान को गढ़वी को देते हैं। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने इसी कमा के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तुलना की थी। सारंग के इस बयान पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने कहा कि भाजपा के लिए चुनाव जीतने का मुख्य हथियार हेट स्पीच है। देश की सर्वोच्च अदालत ने भी हेट स्पीच के बारे में फैसला देते हुए चिंता व्यक्त की है। भाजपा के आने के बाद हेट स्पीच का प्रमाण बढ़ा है। भाजपा के मंत्री गुजरात में आकर घृणा बढ़ाने का काम करते हैं। अपने फायदे के लिए किसी दिव्यांग को राजनीति में घसीटने से भाजपा को बाज आना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता ने केवल कमा नामक युवक को नहीं बल्कि उसकी माता को टार्गेट किया है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है और कांग्रेस इसकी कड़ी भर्त्सना करती है। ऐसी मानसिकता के लोगों को गुजरात की जनता आगामी चुनाव में करारा जवाब देगी।

नाटो की सेना में गरजेंगी राजकोट की राइफलें, हाल ही में पीएम मोदी ने दिया था संकेत

अहमदाबाद। नोर्थ अटलांटिक ट्रीटि ऑर्गेनाइजेश यानी उत्तरी अटलांटिका संधि संगठन (नाटो) की सेना में बहुत जल्द गुजरात के राजकोट में बनी राइफलें गरजेंगी। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजकोट में कहा था कि जल्द ही राजकोट में विमान के पार्ट्स बनाए जाएंगे। हांलाकि एयरक्राफ्ट के पार्ट्स बनाने में समय लग सकता है, लेकिन 2023 के आखिर तक राजकोट में रिवॉल्वर, पिस्तौल और शोटगन समेत नाटो सेना में उपयोग किए जाते हथियार बनाए जाएंगे। राजकोट की मूल निवासी और मुंबई में बड़ी हुई प्रीत पटेल राजकोट में मेन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने जा रही हैं और इसके लिए उन्हें सभी आवश्यक लाइसंस मिल चुके हैं। प्रीति पटेल रास्पबियन एन्टरप्राइज प्राइवेट लिमिटेड (आरईपीएल) की सीएमडी हैं। राजकोट के निकट यूनित स्थापित करने जा रही प्रीति पटेल का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को आधुनिक बनाना है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रीति पटेल की कंपनी के यूनिट में नाटो प्रमाणित हथियार भी बनाए जाएंगे। आनेवाले दिनों में मेड इन गुजरात राइफलें नाटो की सेना में गरजेंगी। प्रीति पटेल के इस बड़े प्रयास से ऑटो पार्ट्स हब के रूप में पहचाने जाते राजकोट को एक और नई पहचान मिलेगी। प्रीति पटेल राजकोट के यूनिट पर रु. 50 करोड़ का निवेश कर रही हैं।

प्रीति पटेल ने कहा कि हम पिस्तौल के साथ ही एसोल्ट राइफर भी बनाएंगी। इसके अलावा हमें नाटो के उपयोग में लिए जाते हथियार बनाने का भी लाइसंस मिल गया है। उन्होंने बताया कि राजकोट में उनका यूनिट 2023 के अंत तक कार्यरत हो जाएगा, जिसमें सशस्त्र बलों के लिए सभी हथियार बनाए जाएंगे। प्रीति पटेल ने बताया कि कंपनी के पास रिसर्च एन्ड डेवलपमेंट एन्ड इनोवेशन सेल है, जो स्वदेशी उपकरणों को अपग्रेड करने का काम करेगा। ताकि भारतीयों के लिए नए हथियारों का उपयोग करना सरल हो। राजकोट में स्थापित होने वाले यूनिट में बड़ी संख्या में महिलाएं काम करेंगी और इसके लिए फिलहाल 35 महिलाओं को तालीम दी जा रही है। एक प्रकार से यह कंपनी ऑल विमेन आर्म्स फैक्ट्री होगी, जिसमें महिलाओं का ही वर्चस्व होगा, जो महिला शक्ति का प्रतीक होगा। इन महिलाओं द्वारा बनाए जाने वाले हथियारों का उपयोग भारतीय सशस्त्र बलों के साथ ही नाटो की सेना में भी किया जाएगा।

राज्य सरकार के कामकाज को गुजरात की जनता तक पहुँचाने का कार्य 'गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़' नेकिया : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में ट्रांसस्टेडिया में 'गुजरात ज्ञान गुरु त्त3क्त'मेगा फ़िनाले क्विज़ के अवसर पर कहा कि राज्य सरकार के कामकाज; जैसे कि सरकार किस प्रकार कार्य कर रही है, सरकार कौन-से कार्य कर रहे, सरकार द्वारा कौन-सी योजनाएँ चलाई जा रही हैं;आदि की जानकारी गुजरात की जनता तक पहुँचाने का कार्य इस गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़ ने किया है। उन्होंने समग्र क्विज़ के आयोजन के लिए शिक्षा विभाग का भी आभार व्यक्त किया। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सदा-सर्वदा प्रयास रहा है कि प्रत्येक व्यक्ति सरकार के साथ जुड़ा रहे और इसका उत्तम उदाहरण ज्ञान गुरु क्विज़ ने प्रदान किया है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों को मिल रहा है। इतना ही नहीं, सरकार की योजनाओं का लाभ लाभार्थियों को उनके घर तक पहुँचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात आगामी समय में डबल स्पीड से आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की जनता को दीपावली की शुभकामनाएँ भी प्रेषित कीं।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने कहा कि जब यह क्विज़ शुरू की गई, तब किसी को विश्वास नहीं था कि इस क्विज़ को इतनी बड़ी सफलता मिलेगी !इस क्विज़ को 'वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड, लंदन' में स्थान प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह क्विज़ विश्व की सबसे बड़ी क्विज़ बनी है। शिक्षा विभाग के लिए यह गौरव की बात है। वाघाणी ने कहा कि गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़ में 27 लाख से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया और 25 लाख से अधिक लोगों ने इस क्विज़ में भाग लिया है। इतना ही नहीं, 1 लाख 25 हज़ार से अधिक लोग इस क्विज़ में विजेता भी हुए हैं। इन विजेताओं को 25 करोड़ रुपए से अधिक के पुरस्कार भी दिए गए। इस प्रकार गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़ के माध्यम से युवाओं को प्लेटफ़ॉर्म देने का कार्य मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने किया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़ में यह देखने को मिला कि ज्ञान एवं टेक्नोलॉजी का अद्भुत समन्वय कैसे हो सकता है ?उन्होंने कहा कि तहसील-वॉर्ड से सर्वाधिक लोगों ने इस क्विज़ में भाग लिया।

श्री शंकराचार्य स्वागत समिति, कर्णावती महानगर द्वारा राष्ट्र यात्रा की योजना

श्री ऋग्वेदीय पूर्वमनाय श्री गोवर्धन मठ पुरीपीठधिश्वर अनंतश्री विभूति पूज्यपद "श्रीमद् जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्रीनिश्चलानंद सरस्वती महाभाग ने घोषणा की है कि अगले साढ़े तीन वर्षों में, भारत एक हिंदू राष्ट्र बन जाएगा, जिसमें से अस्सी प्रतिशत काम पूरा हो गया है, केवल बीस प्रतिशत काम बाकी है।" इसकी पूर्णता के लिए पुरीपीठधिश्वर श्रीमद जगद्गुरु शंकराचार्य महाभाग भारत के विभिन्न राज्यों में राष्ट्रोकर्ष यात्रा के माध्यम से हिंदू राष्ट्र धर्म सभा और हिंदू राष्ट्र समगोष्ठी का आयोजन कर जन जागरूकता अभियान चला रहे हैं। सोला कर्णावती महानगर में विराट हिंदू राष्ट्र धर्म सभा को संबोधित करेंगे ।इसके तहत साधु संत और कर्णावती शहर के विभिन्न समाजों और संगठनों के नेताओं ने "हिंदू राष्ट्र एकता मंच" में भाग लिया और "भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए विराट हिंदू राष्ट्र धर्म सभाज्सभी सनातन धर्मावलंबियों और राष्ट्रप्रेमी भक्तों को लाभान्वित करने तथा सर्व सनत की राष्ट्कर्ष यात्रा में भाग लेने के लिए प्रचार-प्रसार की रूपरेखा तय की गई और महान हिंदू राष्ट्र धर्म सभा को दिव्य-विशाल-अलौकिक बनाने के लिए, हर समाज और हर संगठन के नेताओं ने अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की और राष्ट्रोकर्ष यात्रा में शामिल हुए।श्रीमद् जगद्गुरु शंकराचार्य जी 31 अक्टूबर 2022 को सुबह 6 बजे कर्णावती में रेल मार्ग से गुजरात पहुंच रहे हैं।

कार्यक्रम:-

आगमन 31 अक्टूबर 2022 को सुबह 6 बजे, अहमदाबाद रेलवे स्टेशन

31 अक्टूबर 2022 को सुबह 11 बजे संगोष्ठी, दर्शन और दीक्षा

स्थान :- द्वारकेश बंगला, गोवर्धन पार्टी प्लॉट के पास, थलतेज, अहमदाबाद

2 नवंबर 2022 को सुबह 11 बजे समगोष्ठी, दर्शन और दीक्षा

स्थान :- द्वारकेश बंगला, गोवर्धन पार्टी प्लॉट के पास, थलतेज, अहमदाबाद

विराट हिंदू राष्ट्र धर्म सभा 2 नवंबर 2022 को शाम 5 बजे

स्थान :- श्री उमिया कैंपस, सोला, भागवत विद्यापीठ के पास, अहमदाबाद

3 नवंबर 2022 को सुबह 11 बजे संगोष्ठी, दर्शन और दीक्षा

स्थान :- रबारी वास, गोपाल डेयरी फार्म, वस्त्रपुर ग्राम, अहमदाबाद

3 नवंबर 2022 को रात 11 बजे कच्छ दौरे के लिए प्रस्थान

पश्चिम रेलवे मुख्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पमन्न

अहमदाबाद ।

केन्द्री य सरकारी कार्यालयों की नगर राजभाषा कार्यान्व यन समिति की इस वर्ष की दूसरी छमाही बैठक प्रकाश बुटानी, प्रभारी महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे की अध्य क्षता में सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्नी हुई। इस अवसर पर अध्यनक्ष ने समिति के सभी सदस्योंम को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति राजभाषा के प्रचार-प्रसार और प्रयोग को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। समिति द्वारा समय-समय पर विभिन्न हिंदी प्रोत्साहन गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। समिति को गृह मंत्रालय द्वारा जो जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं उसे समिति तभी प्रभावी ढंग से पूरा कर सकती है यदि सभी सदस्य कार्यालय अपना पूर्ण सहयोग समिति कार्यालय को प्रदान करें। राजभाषा नियमों के अनुसार सभी सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों के लिए इस बैठक में शामिल होना अनिवार्य है ताकि सार्थक और नीतिगत निर्णय लिए जा सकें और उनका अनुपालन भी सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंिने कहा कि आप सभी ने पिछले माह सितम्बर में हिंदी दिवस के अवसर पर अपने-अपने कार्यालयों में राजभाषा के कार्यों को बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए होंगे। उन्हों ने सभी से आग्रह किया कि सभी पूरे वर्ष सभी मदों में मूल रूप से हिंदी में कार्यों को करना सुनिश्चित करें। बैठक के प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी डॉ. छत्र सिंह आनंद ने अध्यचक्ष एवं सभी सदस्यों का स्वाचगत किया। उन्हों ने अपने संबोधन में कहा कि वास्तव में किसी भी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। हिंदी भारत की विभिन्न संस्कृतियों, कलाओं, भाषाओं, विधाओं और सम्प्रदायों को एक कड़ी में जोड़ती है। हिंदी ने स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में भी देशवासियों में राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और आज भी संपर्क भाषा के रुप में आम जनता के आपसी विचारों के आदान-प्रदान में विशेष योगदान दे रही है। हिंदी एक सरल, समृद्ध और सशक्त भाषा है इसलिए इसे संविधान में मान्यता प्रदान की गई है। बैठक में मुंबई स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों में अप्रैल-2022 से सितम्बमर-2022 के दौरान राजभाषा कार्यान्व ।यन में हुई प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में समिति के सभी सदस्य2 कार्यालयों में अप्रैल-2022 से सितम्बिर-2022 के दौरान राजभाषा कार्यान्व0यन में हुई प्रगति संबंधी आंकड़ों को समिति के सदस्यै सचिव डॉ. सुशील कुमार शर्मा द्वारा प्रस्तु त किया गया और राजभाषा कार्यान्वकयन में हुई प्रगति की समीक्षा की गई और कार्यालयों में राजभाषा को लागू करने के लिए कई सार्थक एवं नीतिगत निर्णय लिए गए। बैठक में मध्य रेल, भौतिक चिकित्सान एवं पुनर्वास संस्थागन, आयकर विभाग, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (नौसेना), क्षेत्रीय मौसम विभाग, कर्मचारी राज्यस बीमा आयोग, परमाणु ऊर्जा विभाग, फिल्म प्रभाग, केन्द्री य विद्यालय आदि केन्द्र सरकार के कार्यालयों के विभागाध्यक्ष एवं प्रतिनिधि शामिल हुए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)